RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:231 ता. 11 मार्च 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

हिमाचल मॉडल पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

कर्नाटक सहित इन 4 राज्यों के लिए बनाया प्लान

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्यों के चुनाव के बाद अब सबकी नजर कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव पर है। कांग्रेस इन चुनाव में महिला मतदाताओं को केंद्र में रखकर चुनाव रणनीति का खाका तैयार कर रही है। पार्टी को भरोसा है कि हिमाचल प्रदेश की तरह इन राज्यों में भी आधी आबादी भाजपा के बजाए कांग्रेस पर भरोसा जताएगी।

कांग्रेस इन सभी प्रदेशों में महिलाओं के लिए अलग घोषणा पत्र जारी करने की तैयारी कर रही है। कर्नाटक में महिला मतदाताओं की तादाद 49 फीसदी है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कर्नाटक में महिलाओं के लिए 'ना नायकी' यानी मैं नेता हूं, अभियान शुरू कर चुकी हैं। इसके साथ पार्टी ने महिलाओं को दो हजार रुपये प्रति माह देने का वादा किया है।

महिलाओं के खाते में हर माह 2000 रुपये जमा होंगे

कर्नाटक में पार्टी ने गृह लक्ष्मी योजना के तहत हर माह 2000 रुपए सीधे महिलाओं के खाते में जमा करने का वादा किया है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली

बहना योजना के तहत महिलाओं को एक हजार रुपए प्रति माह देने का ऐलान किया है। इसके जवाब में कांग्रेस ने सरकार बनने पर 1500 रुपए प्रति माह देने का वादा किया है। कांग्रेस रणनीतिकार मानते हैं कि पार्टी को कर्नाटक और मध्य प्रदेश में सत्ता तक पहुंचना है, तो आधी आबादी का भरोसा जीतना होगा।

वहीं, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सरकार बरकरार रखने के लिए पार्टी को महिलाओं का साथ जरूरी है। यही वजह है कि इस साल राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकारों के आखिरी बजट में महिलाएं केंद्र में रही है। कर्नाटक में मतदाताओं की संख्या पांच करोड़ 15 लाख है। इनमें से दो करोड़ 55 लाख महिला मतदाता हैं। ऐसे में कोई भी पार्टी आधी आबादी को नजरअंदाज नहीं कर सकती। मध्य प्रदेश के पांच करोड़ 39 लाख मतदाताओं में दो करोड़ 60 लाख 23 हजार महिला मतदाता हैं। राजस्थान में भी महिला मतदाताओं की संख्या करीब 50 फीसदी है।

छत्तीसगढ़ में महिला और पुरुष मतदाताओं की तादाद बराबर

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, अभी तक हम समाज के किसी वर्ग को खास तौर पर केंद्रित कर चुनाव रणनीति नहीं बनाते थे। पर पिछले कुछ चुनावों से पार्टी ने महिलाओं और युवाओं पर खास ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी ने संविधान में संशोधन कर महिलाओं और युवाओं को भी उचित प्रतिनिधित्व देने की बात की है। इसका लाभ मिलेगा। छत्तीसगढ़ में महिला और पुरुष मतदाताओं की तादाद लगभग बराबर है। कई आदिवासी सीट में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक है। इसलिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बजट में आगंनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 3,500 हजार रुपये के इजाफे के साथ घरेलू और कामकाजी महिलाओं के लिए भी कई योजनाओं का ऐलान किया है।

शानदार स्वागत के लिए पीएम अलबनीज ने मोदी को कहा शुक्रिया, बोले- भारत और ऑस्ट्रेलिया अच्छे दोस्त

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया अपनी 75 साल पुरानी दोस्ती का जश्न मना रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अलबनीज भारत के दौरे पर हैं। दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन में एंथनी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी दी।

पीएम मोदी को कहा धन्यवाद-ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान पीएम को शुक्रिया भी कहा। उन्होंने कहा, मैं यहां गर्मजोशी से स्वागत के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। ऑस्ट्रेलिया और भारत बहुत अच्छे दोस्त हैं। हम पार्टनर्स हैं और हम अपनी साझेदारी को हर दिन और भी मजबूत बना रहे हैं।

भारत के साथ सहयोग करना चाहते हैं-उन्होंने आगे कहा, हम भारत के साथ सहयोग करना चाहते हैं और संस्कृति, आर्थिक संबंधों और सुरक्षा के क्षेत्र में संबंध बनाना चाहते हैं। हम क्रिकेट के मैदान पर दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, लेकिन साथ मिलकर हम एक बेहतर दुनिया का निर्माण कर रहे हैं।

भाजपा का पोस्टर 'जोड़ी नम्बर वन' चर्चा में

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा ने शुक्रवार को एक पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर चर्चा में आ गया है। इसमें सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को 'जोड़ी नम्बर वन' के रूप में दर्शाया गया है। इसमें लिखा है मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र तो झांकी है, इनका सरगना केजरीवाल अभी बाकी है। उधर, भाजपा ने मुख्यमंत्री के खिलाफ आईटीओ पर प्रदर्शन की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को गिरफ्तार सिसोदिया को दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को 20 मार्च तक की न्यायिक हिरासत में भेजा था। गुरुवार को करीब आठ घंटे चली पूछताछ के बाद ईडी ने भी सिसोदिया को गिरफ्तार किया है।

आज से शुरू होगा दिल्ली टूरिज्म का फूड फेस्टिवल

नई दिल्ली। दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली टूरिज्म की ओर से फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 11 से 12 मार्च तक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में होगा। सुबह 11.00 से रात्रि 11.00 बजे तक लजीज व्यंजनों के साथ लोग-बाग लुत्फ उठा सकेंगे। दिल्ली के पर्यटन मंत्री राजकुमार आनंद शुक्रवार शाम चार बजे उत्सव का उद्घाटन करेंगे। तीन दिवसीय उत्सव में खाने के शौकीन भारतीय राज्यों के व्यंजनों के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। इस उत्सव में अंतरराष्ट्रीय और भारतीय व्यंजनों के बारे में जागरूकता के साथ-साथ इनके पोषण मूल्यों की जानकारी भी दी जाएगी। वैसे भी भारतीय भोजन विभिन्न प्रकार की कलाओं का संगम है। इसमें बंगाली भोजन, दक्षिण भारतीय भोजन, मारवाड़ी थाली, शाकाहारी भोजन, मांसाहारी पकवान आदि शामिल हैं। इसके अलावा अरेबियन, इंडोनेशियन, इतावली, मैक्सिकन, ऑस्ट्रेलियन चाइनीज व्यंजनों के अलावा भारतीय मोटे अनाज भी आकर्षण के केंद्र

होंगे। 50 प्रमुख रेस्तरां, होटल, टूरिज्म कॉरपोरेशन आदि की सहभागिता से इस उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्हें निःशुल्क स्टॉल और बिजली, पानी की व्यवस्था दी जा रही है। इस उत्सव में साहित्य कला परिषद् द्वारा आगंतुकों के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली में फिर बदलने वाला है मौसम का मिजाज, अगले सप्ताह बारिश के आसार

गर्मी से मिलेगी राहत ?

नई दिल्ली। दिल्ली में मौसम का मिजाज बदल रहा है। गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। राजधानी में बीते कई दिनों से मौसम में उतार चढाव भी जारी है। वहीं तापमान में दैनिक बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। राजधानी में अभी तेज धूप के चलते गर्मी का आलम बना रहेगा। गुरुवार को दिल्ली में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया।

दिल्ली के मौसम केंद्र सफदरजंग में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस

रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम सामान्य से तीन ज्यादा 16.7 डिग्री रहा। यहां पर आर्द्रता का स्तर 82 से 39 फीसदी तक रहा। पीतमपुरा और स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अगले कुछ दिनों तक औसत तापमान में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी।

मौसम में बदलाव के साथ-साथ हलकी बारिश के आसार भी बने हुए हैं। राजधानी में 14 मार्च से बारिश की संम्भावना जताई जा रही है। ऐसे में मौसम से थोड़ी राहत की उम्मीद की जा रही है लेकिन तापमान में अगर दैनिक बढ़ोत्तरी जारी रहेगी तो बारिश से कुछ खास राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग की माने तो कड़ाके की सर्दी के सितम के बाद अब गर्मी भी कहर बरपाने वाली है। शहर में तापमान में बढ़ोत्तरी और गर्म हवाओं की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में अगले कुछ दिनों तक राहत नहीं मिलने की संभावना है। इस बार गर्मी सारे रिकॉर्ड तोड़ सकती है। मौसम विभाग पहले ही इसके संकेत दे चुका है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए ईडी की तैयारी, कब होगा तारीखों का ऐलान ?

नई दिल्ली। चुनावी राज्य कर्नाटक में विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी पार्टियां पहले ही कमर कस चुकी हैं। चुनाव की तारीखों को लेकर असमंजस बना हुआ है। हालांकि, ऐसा बताया जा रहा है कि मई में चुनाव कराए जा सकते हैं। इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयोग के अधिकारियों अनूप चंद्र पांडे और अरुण गोयल के साथ गुरुवार को कर्नाटक में आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी तैयारियों की समीक्षा की।

अलग अलग बैठक में साझा हुए सुझाव

चुनाव आयोग ने सबसे पहले राज्य सचिवालय विकास सौदा में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की, जहां अलग अलग राजनीतिक दलों ने आयोग के साथ अपने सुझाव साझा किए। साथ ही, आयोग ने आने वाले आम चुनाव की तैयारियों के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय और पुलिस विभाग की समीक्षा की।

आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कर्नाटक मनोज कुमार मीणा के साथ राज्य स्तर पर चुनाव पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक भी की और आवश्यक जानकारी प्राप्त की। आयोग की ओर से कई सुझाव और निर्देश दिए गए। चुनाव पूर्व तैयारियों को लेकर आयोग शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारियों/पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक करेगा।

बाद में शाम को, मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय और बृहत बैंगलोर महानगर निगम (बीबीएमसी) की तरफ से आयोजित एक हैकाथॉन, मतदाता जागरूकता पर एक विशेष प्रदर्शनी आयोग की ओर से आईआईएससी परिसर में टाटा हॉल में शुरू की जाएगी। इस संवाद में चुनाव दूत, छात्र, विकलांग व्यक्ति और शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख सहित कई गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे।

निकला मास्क, बंद हुई घरों की खिड़कियां; गैस चेंबर बने कोच्चि में क्या लगेगा लॉकडाउन ?

नई दिल्ली। केरल के कोच्चि शहर के निवासियों को एक बार फिर से मास्क लगाने और घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। हालांकि, इस बार कोरोना वायरस की वजह से नहीं बल्कि एक डंपिंग यार्ड में आग लगने के बाद उससे निकलने वाले धुएं की वजह से। ब्रह्मपुरम में नगर निगम के कचरे के डंपिंग यार्ड में पिछले गुरुवार (2 मार्च) को शाम के समय आग लग गई थी। जिसकी वजह से कोच्चि में धुआं फैल गया। शहर के निवासियों का आठ दिन बाद भी दम घुट रहा है। घने स्मॉग ने एर्नाकुलम जिले के अन्य क्षेत्रों में भी एंट्री कर ली है, जिसमें कडवंतरा, व्याटिला, मराडु और

पानमपल्ली नगर शामिल हैं। आग को पूरी तरह से बुझाने के लिए नगर निगम के अधिकारियों का संघर्ष जारी है। जलते हुए प्लास्टिक के धुएं और तीखी गंध से उपजी घुटन की स्थिति के बीच निवासियों को रोजाना के कामकाज को भी करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। सरकार ने नागरिकों से घर के अंदर रहने और बाहर निकलने से पहले एन-95 मास्क पहनने को कहा है।

एर्नाकुलम जिला कलेक्टर ने गुरुवार और शुक्रवार को शैक्षणिक संस्थानों के लिए दो दिन की छुट्टी घोषित की है। अत्यधिक गर्मी के कारण, साल के इस समय ब्रह्मपुरम डंपिंग यार्ड में आग लगना आम बात है। स्थानीय लोगों ने आग लगने और धुएं से होने वाले संभावित स्वास्थ्य परेशानियों को लेकर चिंतित हैं।

अस्पताल पहुंच रहे हैं लोग

कोच्चि में पहले से ही फेफड़ों से संबंधित बीमारियों, सर्दी और त्वचा में जलन आदि की परेशानियों को लेकर अस्पतालों में आने वाले लोगों की संख्या में काफी वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, जहरीला धुआं मतली और चक्कर आने जैसी समस्याएं भी पैदा कर रहा है।

आग बुझाने में क्यों हो रही है देरी ?

आग को पूरी तरह से बुझाने में इतना समय क्यों लग रहा है, इस बारे में एक दमकलकर्मी ने प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया को बताया कि कचरे के ढेर के नीचे प्लास्टिक की परतें गर्म हो गई है, जिससे ऑपरेशन में देरी हो रही है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि ठोस कचरे के ढेर के नीचे 10 से 20 फीट नीचे ज्वलनशील मीथेन गैस पैदा हो रही है, जिससे आग को बुझाना लगभग असंभव हो जाता है।

छह दिवसीय 60वां महाराणा कुम्भा संगीत समारोह 14 मार्च से

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में महाराणा कुम्भा संगीत परिषद की ओर से 6 दिवसीय 60वां महाराणा कुम्भा संगीत समारोह 14 मार्च से आयोजित किया जायेगा।

संस्था के सचिव मनोज मुर्डिया ने बताया के भारतीय लोक कला मंडल में होने वाले इस समारोह में देश के लब्ध प्रतिष्ठित शास्त्रीय संगीत के करीब 50 से अधिक कलाकार गायन, वादन और नृत्य की प्रस्तुति देंगे। प्रत्येक दिन ठीक शाम सात बजे से कार्यक्रम शुरू होगा और दर्शकों का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रेम भंडारी के अनुसार इस समारोह में पद्मश्री कलाकारों के साथ साथ संगीत नाटक अकादमी से पुरस्कार प्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगें।

संगीत समारोह के कार्यक्रम के अनुसार 14 मार्च को पुणे के मोहिनी बेंड द्वारा 5 महिला कलाकारों द्वारा गायन और वादन की प्रस्तुती होगी, जिसमे रुचिका केदार, गायन, सहाना बेनर्जी, सितार, तबला, सावनी तलवलकर, हारमोनियम अदिति गराडे और पखावज पे अनुजा बुराडे अपनी सामूहिक प्रस्तुती देंगी। इसके पश्चात पुणे की विदुषी मंजुषा पाटिल का शास्त्रीय गायन होगा।

15 मार्च को पद्मश्री उस्ताद मोईनुद्दीन खान का उनके पुत्र मोमिन खान के साथ सारंगी वादन और उसके पश्चात भोपाल के पद्मश्री पंडित उमाकांत गुंदेचा और अनंत गुंदेचा का ध्रुपद गायन होगा।

इसी कड़ी में 16 मार्च को डॉ. आरती सिंह का रांची का प्रसिद्ध नृत्य ग्रुप कत्थक नृत्य की प्रस्तुति देगा और उसके बाद देश की प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना कविता द्विवेदी ओडिसी नृत्य पेश करेंगी। 17 मार्च को दिल्ली के सुप्रसिद्ध वायलिन वादक डॉ संतोष नाहर वायलिन वादन पेश करेंगे और उसके बाद मोहम्मद अमान खान ख्याल गायकी प्रस्तुत करेंगे।

18 मार्च को कार्यक्रम की शुरुआत में मुम्बई की मशहूर बांसुरी वादिका देबोप्रिया और सुष्मिता युगल बांसुरी वादन पेश करेगी जो फ्ल्युट सिस्टर्स के नाम से देश विदेश में विख्यात हैं. बांसुरी वादन के बाद में पुणे के प्रसिद्ध ख्याल गायक पद्मश्री पंडित उल्हास कशालकर अपना गायन प्रस्तुत करेंगें।

संस्था के सचिव मनोज मुर्डिया ने बताया के भारतीय लोक कला मंडल में होने वाले इस समारोह में देश के लब्ध प्रतिष्ठित शास्त्रीय संगीत के करीब 50 से अधिक कलाकार गायन, वादन और नृत्य की प्रस्तुति देंगे। प्रत्येक दिन ठीक शाम सात बजे से कार्यक्रम शुरू होगा और दर्शकों का प्रवेश नि :शुल्क रहेगा।

जेएनयू भारत की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करता है: राष्ट्रपति मुर्मू

अगरतला (एजेंसी)। नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) भारत की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करता हैं। विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में मुर्मू ने कहा कि महिला शोधार्थियों की संख्या इस समय संस्थान में पुरुषों से अधिक है। उन्होंने इसे सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण संकेतक बताया। उन्होंने कहा, ''इस विश्वविद्यालय को मैं एक सार्थक और ऐतिहासिक महत्व के रूप में देखती हूं कि जेएनयू ने 1969 में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष में कार्य करना शुरू किया था।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''पूरे भारत के छात्र विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं और परिसर में एक साथ रहते हैं जो भारत और दुनिया के बारे में उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में मदद करता है। विश्वविद्यालय विविधता के बीच भारत की सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करता है।''

दीक्षांत समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ए. के. सूद और जेएनयू के कुलाधिपति विजय कुमार सारस्वत भी मौजूद थे। प्रधान ने जेएनयू को सर्वाधिक बहु-विविधता वाला संस्थान करार दिया, जहां देश के सभी हिस्सों से छात्र आते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में बहस और चर्चा के महत्व पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''यह एक शोध विश्वविद्यालय है। जेएनयू जैसा बहुविविध संस्थान देश में नहीं है। भारत सबसे पुरानी सभ्यता है और जेएनयू इस सभ्यता को आगे बढ़ा रहा है। देश में बहस और चर्चा महत्वपूर्ण हैं।''

इस मौके पर जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने इस तथ्य पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय में 52 प्रतिशत छात्र आरक्षित श्रेणियों- अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं। उन्होंने कहा, ''यह हमारा छठा दीक्षांत समारोह है। इस बार कुल 948 शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई हैं। महिला शोधार्थियों की संख्या पुरुषों से अधिक है और 52 प्रतिशत छात्र एससी, एसटी और ओबीसी जैसे आरक्षित वर्गों से हैं।

बिहार में गोमांस ले जाने के शक में एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या

सारण। बिहार के सारण जिले में कथित तौर पर गोमांस ले जाने के संदेह में हिंसक भीड़ ने 55 वर्षीय एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान सीवान जिले के हसनपुर गांव निवासी नसीम कुरैशी (55) के रूप में हुई है। अधिकारी के मुताबिक, यह घटना मंगलवार को उस समय हुई, जब नसीम और उसका भतीजा फिरोज कुरैशी सारण जिले के जोगिया गांव में अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहे थे। सारण के पुलिस अधीक्षक गौरव मंगला ने कहा, 'दोनों को स्थानीय लोगों ने एक मस्जिद के पास रोका और इसके बाद उनके बीच बहस हुई। फिरोज भागने में सफल रहा, लेकिन भीड़ नसीम की कथित तौर पर लाठियों से पिटाई करने लगी।' मंगला के मुताबिक, बाद में भीड़ ने खुद नसीम को रसूलपुर गांव (सारण) में पुलिस को सौंप दिया, जिसके बाद उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, 'तीन लोगों-सुशील सिंह, रवि साहा और उज्ज्वल शर्मा को भीड़ हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। मामले की सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।' इससे पहले, 25 जनवरी को नवादा जिले में सरस्वती पूजा के लिए पर्याप्त चंदा देने से इनकार करने पर एक व्यक्ति को भीड़ द्वारा कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डालने का मामला सामने आया था। यह घटना सिरदल्ला थाना क्षेत्र के विजयपुर गांव में हुई थी।

उमेश पाल हत्याकांड के एक आरोपी साबिर के भाई जाकिर का शव गंगा किनारे मिला

-ढाई लाख के इनामी आरोपी साबिर के भाई की हत्या!

कौशांबी। उमेश पाल हत्याकांड के एक आरोपी साबिर के भाई का शव उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के मंझनपुर इलाके में गंगा किनारे मिला है। पुलिस ने कहा कि मौके पर कोई खून नहीं मिला, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि 45 वर्षीय जाकिर की हत्या कर दी गई और उसके शव को सुनसान जगह पर फेंक दिया गया। जाकिर के पेट को जानवरों ने आंशिक रूप से खा लिया था, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान थे, लेकिन उसकी मौत के सही कारण का पता पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएगा। मीडिया के अनुसार स्थानीय लोगों ने महमदपुर गांव के पास नदी किनारे शव देखा। बाद में इसकी पहचान प्रयागराज के मरियाडीह गांव के मूल निवासी मोहम्मद जाकिर के रूप में हुई। जाकिर के चाचा शम्सुद्दीन और परिवार के अन्य सदस्य मुर्दाघर पहुंचे और उसकी पहचान की पुष्टि की। उन्होंने पुलिस को बताया कि जाकिर अपनी पत्नी की हत्या के सिलसिले में जेल में था और हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। उन्होंने बताया कि वह डिप्रेशन में था। जांच में पता चला कि जाकिर 21 फरवरी को अपनी बहन के घर कौशांबी पहुंचा था। 27 फरवरी को वह अपने घर मरियाडीह के लिए निकला था, लेकिन तब से लापता था। उसके परिजनों ने संदेह जताया कि उसकी हत्या की गई है, लेकिन उसने किसी का नाम नहीं लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जाकिर आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल था। कोखराज थाने के एसएचओ रमेश पटेल ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर लगेगा 25000 तक का जुर्माना

भोपाल। देश भर में आज से नए ट्रैफिक नियम लागू हो गए हैं। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर अब 25000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। नए नियमों के अनुसार जिन वाहनों में आवाज करने वाले साइलेंसर लगे होंगे। उन वाहनों का 25000 रुपये का जुर्माना किया जाएगा। नए मोटर व्हीकल एक्ट में यदि वाहन में किसी भी किस्म का कोई परिवर्तन कराया गया है। तो उसके लिए भी 25000 रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। जिन वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी होगी। उस पर 10000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 15 साल पुराने वाहन का यदि फिटनेस नहीं होगा,तो उस पर भी भारी जुर्माना लगेगा। नए ट्रैफिक नियम सारे देश भर में लागू हो गए हैं। इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

तेजी से फैल रहा है खतरनाक एच3एन2 वायरस, इस राज्य में हुई पहली मौत

नई दिल्ली। बर्बर खांसी इन दिनों घर-घर में कहर ढा रही है। खांसते-खांसते लोगों के फेफड़े हिल जाते हैं। सांस फूलने लगती है, गले में दर्द होने लगता है। कई बार तो पूरी रात खांसते हुए गुजर जाती है। एच3एन2 के रूप में जाना जाने वाला इन्फ्लूएंजा वायरस लोगों को रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम दे रहा है। ये इन्फ्युएंजा ए वायरस का एक सबटाइप है जो पहले कई इन्फ्लूएंजा के प्रकोपों का कारण रहा है। अब एच3एन2 इन्फ्लुएंजा से कर्नाटक में एक की मौत की खबर सामने आई है।

कर्नाटक में पहली मौत

कर्नाटक में एच3एन2 विषाणु से होने वाले इन्फ्लूएंजा से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, व्यक्ति हासन जिले का रहने वाला था। भारत में पिछले कुछ महीनों में हजारों मामलों की रिपोर्ट करने वाले देश भर के अस्पतालों के साथ एच3एन2 इन्फ्लूएंजा का अचानक प्रकोप दर्ज किया गया है।

इन्फ्लुएंजा फ्लू से जुड़ी जानने योग्य बातें

वायरस की चपेट में आने से आपको हाई ग्रेड फीवर हो सकता है। इसके साथ ही आपको कंपकपी भी महसूस हो सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकतर लोगों ने तेज बुखार महसूस किया है। बुखार के साथ लगातार खांसी भी महसूस हो सकती है। ये खांसी कोई आम खांसी नहीं होती है। ये आपको परेशान कर सकती है। एच3एन2 वायरस से पैदा हुए लक्षण दो से तीन हफ्तों तक रह सकते हैं। ज्यादातर पीड़ितों को दो से तीन दिन तेज बुखार रहता है। इसके साथ बदन दर्द, सिरदर्द और गले में बेचैनी महसूस हो सकती है। खांसी आपको दो से तीन महीने तक रहे सकती है।

बीएसएफ ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़ा

नयी दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़ा। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि घुसपैठिये ने 9-10 मार्च की दरमियानी रात सीमा पार की और राज्य के फिरोजपुर सेक्टर में 'तीरथ' सीमा चौकी क्षेत्र से भारत में प्रवेश किया। प्रवक्ता ने बताया, ''प्रारंभिक पूछताछ के दौरान व्यक्ति ने बताया कि वह पाकिस्तान के खैबर जिले का रहने वाला है।'' अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल सुरक्षा और खुफिया अधिकारियों का एक संयुक्त दल उससे पूछताछ कर रहा है और बाद में उसे स्थानीय पुलिस को सौंपा जा सकता है। यह घटना एक दिन पहले बीएसएफ द्वारा एक बांग्लादेशी और एक पाकिस्तानी नागरिक को इसी तरह पंजाब में इस सीमा पर पकड़े जाने के बाद सामने आयी है।

तेजस्वी यादव तक पहुंची ईडी की जांच, लालू के करीबियों के यहां छापेमारी जारी

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी कर रही है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) घोटाले के सिलसिले में तीन राज्यों में 15 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। बिहार के पटना में राजद नेता और लालू प्रसाद यादव के सहयोगी अबु दोजाना के घर पर भी छापेमारी जारी है। ईडी लालू और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़ी संपत्तियों सहित बिहार, उत्तरप्रदेश और मुंबई में छापेमारी कर रही है। यह छापेमारी बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राजद प्रमुख लालू से सीबीआई द्वारा नौकरी के बदले जमीन घोटाले के सिलसिले में पूछताछ किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है।

दिल्ली में सियासत तेज! मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर बोली कांग्रेस, आबकारी नीति के फैसले केजरीवाल की जानकारी में हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली। दिल्ली में भाजपा-आप और कांग्रेस के बीच सियासत काफी तेज हैं। सियासी गर्मी की लपटे देश के कोने-कोने में दिखाई पड़ रही हैं। फिलहाल मनीष सिसोदिया जेल में ही रहेंगे। कोर्ट उनकी जमानत याचिका पर 21 मार्च को सुनवाई करेगा। इसी बीच इस पूरे मामले पर कांग्रेस भी हमलावर हैं। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी पर दिल्ली और पंजाब में भ्रष्टाचार को प्रश्रय देने का आरोप लगाया तथा यह दावा भी किया कि राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी पार्टी सरकार की आबकारी नीति से जुड़े फैसले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जानकारी में हुए थे।

पार्टी नेता अलका लांबा ने यह भी कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ज्यादा समय तक चुप्प नहीं रह पाएंगे और जिस दिन उन्होंने चुप्पी तोड़ दी उस दिन केजरीवाल भी इस मामले के जद में आ जाएंगे और बात उनकी कुर्सी तक पहुंच जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार में भ्रष्टाचार है। पंजाब में उसकी सरकार में भ्रष्टाचार होने के साथ ही कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो रही है। यह बहुत चिंताजनक बात है।''

सिसोदिया की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए अलका ने दावा किया, ''मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल के राजदार हैं जो ज्यादा वक्त तक चुप नहीं रह पाएंगे। जिस दिन उनकी चुप्पी टूटेगी,बात अरविंद केजरीवाल की कुर्सी तक पहुंचेगी क्योंकि शराबनीति से जुड़े फैसले मुख्यमंत्री की जानकारी में हो रहे थे।''

उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा समय में सिर्फ एक विपक्षी दल और सिर्फ एक नेता, 'तानाशाह' मोदी सरकार के खिलाफ बिना झुके खड़ा है और वह कांग्रेस एवं राहुल गांधी हैं। सिसोदिया को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति (जिसे अब वापस ले लिया गया है) में कथित अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने इसी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में तिहाड़ जेल में सिसोदिया से पूछताछ की और बृहस्पतिवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

महाराष्ट सरकार का बजट 'गाजर का हलवा', झूठे सपने दिखाता है : उद्धव गुट

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट ने महाराष्ट्र सरकार के 2023-24 के बजट को 'गाजर का हलवा' करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार चुनावी साल में घोषणाओं की बारिश कर लोगों को झूठे सपने दिखा रही है। अपने मुखपत्र 'सामना' में पार्टी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में बजट पेश करते हुए सिर्फ आश्वासनों की बौछार की लेकिन इस सप्ताह के शुरू में बेमौसम बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए मुआवजे की घोषणा करने में उदारता नहीं दिखाई।

शिंदे सरकार का पहला बजट पेश करते हुए फडणवीस ने किसानों को छह हजार करोड़ रुपये की सहायता और फसल बीमा योजना का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कामकाजी महिलाओं के लिए पेशेवर कर में राहत, महिलाओं के लिए सरकारी बसों के किराये में 50 फीसदी छूट और बच्चियों के लिए नई योजना का भी प्रस्ताव दिया। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) समेत कई नगर निकायों के चुनाव होने हैं। राज्य में अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव भी होने हैं।

पार्टी ने मुखपत्र 'सामना' में लिखे संपादकीय में कहा, ÷ बजट में घोषणाओं के नाम पर गाजर का सिर्फ हलवा देकर सरकार ने जनता को गुमराह ही किया है।÷ उपमुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि फडणवीस की घोषणाओं की तीव्रता दो दिन पहले राज्य के ज्यादातर हिस्सों में ओलावृष्टि एवं बेमौसम बारिश की तीव्रता से ज्यादा थी।

शाह ने अहमदाबाद में 154 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने गृह राज्य गुजरात के अहमदाबाद शहर में 154 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। शाह ने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) और अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (एयूडीए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक समारोह को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''मेरा (लोकसभा) क्षेत्र गांधीनगर वहां से मेरे सांसद बनने से पहले ही विकसित हो चुका था। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि हमें हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य करना होगा।'' उन्होंने कहा कि सभी सांसदों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास के लिए कार्य करने की जरूरत है। अहमदाबाद के संथाल में एक नया फ्लाईओवर उन परियोजनाओं में शामिल है, जिसका उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन किया। इस बारे में उन्होंने कहा, ''सौराष्ट्र और भावनगर बाईपास की ओर जाने वाले वाहनों के कारण संथाल में समस्याएं थीं। इसके अलावा, शहर में यातायात बहुत ज्यादा है। इसलिए संथाल में फ्लाईओवर का निर्माण इन समस्याओं का समाधान करेगा।'' शाह ने कार्यक्रम के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक 'स्मार्ट स्कूल' और दो उद्यानों का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और एएमसी और एयूडीए के अधिकारी भी मौजूद थे।

कुछ विदेशी मीडिया भारत और पीएम मोदी के खिलाफ झूठे फैला रहे : अनुराग ठाकुर

-न्यूयॉर्क टाइम्स ने कश्मीर को लेकर लिखा लेख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कश्मीर में प्रेस की स्वतंत्रता पर एक ओपिनियन पीस को लेकर न्यूयॉर्क टाइम्स की आलोचना कर कहा कि अखबार ने भारत के बारे में कुछ भी प्रकाशित करते समय तटस्थता के सभी ढोंग छोड़ दिए। सूचना और प्रसारण मंत्री ठाकुर ने ट्वीट किया, कश्मीर में प्रेस की स्वतंत्रता पर न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवॉयटी) का तथाकथित ओपिनियन अंश शरारती और काल्पनिक है, इस भारत और उसके लोकतांत्रिक संस्थानों और मूल्यों के बारे में प्रचार प्रसार के एकमात्र उद्देश्य से प्रकाशित किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के कॉलम में दमनकारी मीडिया नीतियों, कश्मीर मीडिया आउटलेट्स को डराना और जम्मू और कश्मीर में सूचना शून्य बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स के लेख में कहा गया है, अगर मोदी देश के बाकी हिस्सों में सूचना नियंत्रण के कश्मीर मॉडल को पेश करने में सफल होते हैं, तब यह न केवल प्रेस की स्वतंत्रता को खतरे में डालेगा, बल्कि खुद भारतीय लोकतंत्र को भी। एनवाईटी के लेख पर प्रतिक्रिया देकर केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि भारत और पीएम मोदी के बारे में अखबार और अन्य समान विचारधारा वाले विदेशी मीडिया द्वारा फैलाया गया झूठ लंबे समय तक नहीं चलेगा। ठाकुर ने कहा, कुछ विदेशी मीडिया भारत और हमारे पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लंबे समय से व्यवस्थित रूप से हमारे लोकतंत्र और समाज के बारे में झूठ बोलने की कोशिश कर रहे हैं। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता अन्य मौलिक अधिकारों की तरह ही पवित्र है।

एनवाईटी द्वारा कश्मीर में प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में फैलाया गया झूठ निंदनीय है। भारतीय ऐसी मानसिकता की अनुमति नहीं देने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर के ट्वीट को साझा करते हुए, भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, विदेशी मीडिया, भारत के बारे में अपने उन्मादी दृष्टिकोण के साथ, अब न तो विश्वसनीयता है और न ही भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने की ताकत है या इस मामले में, इसकी उपलब्धियां हैं।

जी20 के लिए आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार हुई दिल्ली की 'गोल्डन हवेली

-विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में जी20 देशों की कई बैठकें देश के विभिन्न भागों में चल रही हैं। दिल्ली में भी हाल ही में जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। इसके अलावा भी दिल्ली में जी20 की कई और बैठकें होनी हैं, इसके लिए दिल्ली को तैयार किया जा रहा है। दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत को दिखाती इमारतों का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है, ताकि विदेशी मेहमानों को देश का समृद्ध इतिहास दर्शाया जा सके। इसी कड़ी में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में 'गोल्डन हवेली का उद्घाटन किया जोकि भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करती है।

बता दें कि इस हवेली का कायाकल्प भाजपा नेता विजय गोयल द्वारा कराया गया है। जी20 सम्मेलनों के दौरान जब विदेशी मेहमान दिल्ली आएंगे तब इस हवेली में भी उनकी खातिरदारी की जायेगी। इस दृष्टि से भी इस हवेली में सभी सुविधाओं का सृजन और उन्नयन किया गया है।

उद्घाटन के बाद विदेश मंत्री हवेली में एक घंटे से ज्यादा समय तक रुके और हवेली के तीनों तलों पर जाकर बारीकी से कमरों को देखा। उन्होंने हवेली में बैठकर कत्थक की प्रस्तुति और चांदनी चौक के स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया। इस दौरान अन्य देशी-विदेशी मेहमान भी मौजूद रहे। बाद में कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए जयशंकर ने ट्वीट किया, गोल्डन हवेली, धरमपुरा का उद्घाटन कर प्रसन्नता हुई। इस अवसर के लिए श्री गोयल को धन्यवाद। हमारी संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के साथ ही पर्यटन और रोजगार सृजन का विस्तार हो रहा है।

इस मौके पर जयशंकर ने कहा कि भारत के जी20 अध्यक्षता वर्ष में देश ''विश्व को तैयार'' कर रहा है और विश्व ''भारत को तैयार'' कर रहा है। जयशंकर ने कहा कि इस खूबसूरत विविधता वाले देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी विरासत और संरक्षण पर गर्व होना चाहिये। उन्होंने कहा, ''आज हम सभी अपनी संस्कृति एवं विरासत को समर्पण के साथ आगे बढ़ाने और संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' जयशंकर ने कहा, ''पर्यटन आज दुनिया में सबसे लाभकारी और सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वाला उद्योग है।

दूसरी ओर, इस मौके पर श्री गोयल ने कहा कि 'गोल्डन हवेली' का जीर्णोद्धार करने में चार साल लग गए। उन्होंने बताया कि हवेली के संरक्षण कार्य के दौरान सबसे बड़ी चुनौती इसके मूल स्वरूप को बरकरार रखना था, क्योंकि हवेली अपने अधिक वजन के कारण नीचे झुक रही थी। बता दें कि विजय गोयल 'हेरिटेज इंडिया फाउंडेशन' के अध्यक्ष भी हैं। गोयल ने कहा, ''यह हवेली प्रसिद्ध जौहरी बाजार दरीबा और किनारी बाजार के करीब है। यदि आप हवेली की छत पर जाते हैं, तब आप जामा मस्जिद, लाल किला, गौरीशंकर मंदिर, जैन मंदिर और गुरुद्वारा शीशगंज देख सकते हैं। बता दें कि इस दौरान कई विदेशी मेहमान भी उपस्थित थे जोकि हवेली को देखकर हतप्रभ रह गए।

सीएम ममता बनर्जी ने बंगाल में अफीम की खेती के लिए केंद्र को लिखा पत्र

-बंगालियों के लिए आलू पोस्तो व पोस्तो बड़ा है खास व्यंजन

कोलकाता (एजेंसी)। यूं तो आमतौर पर अफीम की खेती देशभर में प्रतिबंधित है। अब तक अफीम की खेती केवल देश के 4 राज्यों में ही होती है। अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में अफीम की खेती की मांग करते हुए केंद्र को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को विधानसभा में खाद्य बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि बंगाल में पोस्तो (खसखस) के बिना कुछ नहीं चलता। यह बंगालियों के भोजन का अभिन्न हिस्सा है। भोजन में यहां बंगालियों का सबका पसंदीदा व्यंजन है आलू पोस्तो (आलू और खसखस की सब्जी) और पोस्तो बड़ा (खसखस के पकौड़े)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूछा कि हर दिन हमारे मेनू में होने के बावजूद पश्चिम बंगाल में इसकी खेती क्यों नहीं की जाएगी? जब दूसरे राज्यों में हो सकती है तो बंगाल में क्यों नहीं। ममता ने कहा कि हम इसकी खेती कृषि फार्मों में करेंगे, हमारे पास ऐसे कई फार्म हैं। हम अपने राज्य में भी तो अफीम उगा सकते हैं। इस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विरोधियों से भी समर्थन मांगा है।

पश्चिम बंगाल में बंगालियों के लिए आलू पोस्तो और पोस्तो बड़ा ही खास है। पश्चिम बंगाल में आलू के साथ खसखस पीसकर एक सब्जी बनाई जाती है जिसे आलू पोस्तो कहते हैं। आमतौर पर यह सब्जी हर बंगाली के घर में बनती है, लेकिन इन दिनों पोस्तो की कीमत ज्यादा होने के कारण लोगों के लिए पोस्तो तो खरीद पाना संभव नहीं हो रहा है। वहीं पोस्तो का बड़ा भी पोस्तो पीसकर बनाया जाता है। यह दोनों बहुत ही पारंपरिक व्यंजन है। इसलिए मुख्यमंत्री ने राज्य में पोस्तो उगाने की बात पर जोर दिया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि हमें दूसरे राज्यों से भारी कीमतों पर पोस्ता दाना खरीदना पड़ रहा है। इसलिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में अफीम की खेती की परमिशन के लिए केंद्र को पत्र लिखा है। ममता ने कहा कि हम इसकी खेती कृषि फार्मों में करेंगे, हमारे पास ऐसे कई फार्म हैं। अगर हम अपने राज्य में अफीम उगा सकते हैं तो हम उन्हें एक हजार रुपये के बजाय 100 रुपये (प्रति किलो) पर खरीद सकेंगे।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैं विपक्ष के सदस्यों से कहूंगी निर्णय लें और केंद्र सरकार को पत्र लिखें कि क्योंकि यहां पोस्तो ड्रग्स नहीं है। विधानसभा में ममता बनर्जी ने कहा कि पोस्त या खसखस महंगा है, क्योंकि इसकी खेती केवल कुछ राज्यों में की जाती है। ममता ने कहा कि अगर अफीम की खेती होगी तो राज्य के लोग इससे बने व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। इससे बंगाल के किसानों को भी लाभ होगा और जनता की मांग भी पूरी होगी।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने सिसोदिया की तुलना भक्त प्रह्लाद से की, कहा- देश और बच्चों की सेवा करने वाले जेल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि देश और बच्चों की सेवा करने वालों को सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। केजरीवाल ने पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किए जाने के घटनाक्रम की तुलना हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद की पौराणिक कथा से की। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि जैसे हिरण्यकश्यप प्रह्लाद को भगवान की पूजा करने से नहीं रोक सका, वैसे ही आज के प्रह्लाद को भी नहीं रोका जा सकता।

उन्होंने दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री सिसोदिया की तुलना परोक्ष तौर पर भक्त प्रह्लाद से की। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''हिरण्यकश्यप अपने आपको भगवान् मान बैठा था। उसने प्रह्लाद को ईश्वर की राह से रोकने के अनेक प्रयत्न किये, जुल्म किये। आज भी कुछ लोग अपने आपको भगवान मान बैठे हैं। देश और बच्चों की सेवा करने वाले प्रह्लाद को कारागृह में डाल दिया पर न प्रह्लाद को वे तब रोक पाये थे, न अब रोक पायेंगे।

पाकिस्तान में महिलाओ ने निकाला मार्च, नए विवाद को भी जन्म दिया

इस्लामाबाद। मार्च को रोकने के लिए कई शहरों में अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद हजारों महिलाएं पाकिस्तान की सड़कों पर दिखाई दी। औरत (महिला) मार्च के रूप में जानी जाने वाली, रैलियों में प्रतिभागियों द्वारा जो तलाक, यौन उत्पीड़न और मासिक धर्म जैसे विषयों से संबंधित लहराए गए बैनर और तख्तियों ने नए विवाद को भी जन्म दिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर लाहौर में 200 की भीड़ में शामिल एक स्कूली शिक्षक की माने, तब औरत मार्च का पूरा बिंदु सेफ्टी और सिक्योरिटी की मांग करना है, जो इस देश और समाज में महिलाओं को नहीं मिल पाती है। अब हम चुप बैठने वाले नहीं हैं। यह हमारा दिन है, यह हमारा समय है। पाकिस्तान में एक महिला स्वयंसेवी संगठन हम औरतें ने 2018 में औरत मार्च की शुरुआत की थी। ये संगठन हर साल महिला दिवस के मौके पर आठ मार्च को औरत मार्च का आयोजन करता है। इसमें महिलाओं को हर क्षेत्र में आजादी देने और आगे बढ़ाने की बात कही जाती है। ग्राफिक डिजाइनर सोहेला अफजल ने सवाल उठाकर पूछा कि यह हास्यास्पद है कि हमें हर साल एक ही नाटक से कैसे गुजरना पड़ता है... वे अपने अधिकारों की मांग करने वाली महिलाओं से इतना डरते क्यों हैं? कराची में, न्यायाधीशों ने सप्ताहांत के लिए निर्धारित संबंधित रैली पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक व्यक्ति द्वारा कानूनी चुनौती को खारिज कर दिया ताकि कामकाजी महिलाएं भाग ले सकें। राजधानी इस्लामाबाद में, आयोजकों ने सभा को शहर के एक पार्क तक सीमित रखने के आदेशों का पालन करने से इनकार कर दिया, जहां फरवरी में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था।

सिख नेता गिल पर गुरुद्वारे को जलाने की साजिश रचने का आरोप

बेकर्सफील्ड। अमेरिका के सिख नेता राज सिंह गिल (60) पर कैलिफोर्निया में गुरुद्वारे को जलाने की साजिश रचने का आरोप लगा है। राज बेकर्सफील्ड नगर परिषद के पूर्व उम्मीदवार भी रहे हैं। राज पर कैलिफोर्निया के सबसे बड़े सिख गुरुद्वारे के एक सदस्य को गोली मारने के लिए लोगों को पैसे देने का भी आरोप है। मीडिया रिपोर्ट में बताया कि राज ने गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी खालसा दरबार और उसकी संपत्ति को जलाया है। बेकर्सफील्ड केर्न काउंटी, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक शहर है। पुलिस के अनुसार, सिख नेता गिल को शनिवार को हिरासत में लिया गया था। हालांकि, रिकॉर्ड बताते हैं कि गिल को जेल से रिहा कर दिया गया है। नवंबर में हुए वार्ड 7 के चुनाव में गिल को 7 फीसदी से भी कम वोट मिले थे। गुरुद्वारे के एक बुजुर्ग सुखविंदर सिंह रंगी ने पुलिस को बताया कि गिल ने प्रार्थनाओं को बाधित करने और मण्डली के सदस्यों को धमकाया था। पुलिस ने बताया कि गिल का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। सुखविंदर सिंह रंगी के अनुसार, गुरुद्वारे में टकराव आठ लाख अमेरिकी डालर के हिसाब को लेकर हुए विवाद के कारण शुरू हुआ। यह राशि मण्डली के सदस्यों द्वारा दान में दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट में रंगी के हवाले से कहा कि संभवत- गिल को उन रुपयों का लालच हो गया था। इस मामले में गिल से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं हो पाया है। वहीं, पिछली बार चुनाव जीतने वाली और कभी-कभी पनामा लेन के दक्षिण गुरुद्वारे में प्रार्थना करने वाली नगर परिषद सदस्य मनप्रीत कौर ने कहा कि वह गिल के खिलाफ निरोधक आदेश के बारे में जानती थीं लेकिन विवाद को कारणों को नहीं जानती थी। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में दिल तोड़ने वाला है। यह भयावह है और मैं उम्मीद कर रही हूं कि समुदाय सुरक्षित रहे। बेकर्सफील्ड पुलिस विभाग के एक प्रवक्ता ने यह बताने से इनकार कर दिया कि गिल के कार्यों के पीछे क्या कारण हो सकते हैं।

फ्लाइट में दो जिंदा गोलियां मिलने से हड़कंप, जांच के बाद रवाना हुई फ्लाइट

सियोल। दक्षिण कोरिया में इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक फ्लाइट में दो जिंदा गोलियां मिली। एयरलाइन अधिकारियों ने फौरन फ्लाइट को खाली करा दिया। बताया जा रहा है कि विमान में उस वक्त 230 लोग सवार थे। शुक्रवार सुबह इंचियोन एयरपोर्ट से कोरियन एयरलाइंस कंपनी लिमिटेड का जेट मनीला के लिए उड़ान भरने वाला था। विमान में बैठे एक यात्री को 9 मिलीमीटर साइज की गोलियां मिलीं। गोलियां मिलने के बाद विमान को टर्मिनल पर वापस भेजा गया। अधिकारियों ने विमान को खाली करवाकर जांच के बाद विमान को 11 बजे रवाना किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम इसकी जांच कर रहे हैं, कि विमान में गोलियां कैसे मिलीं। वहीं, कोरियन एयर के अधिकारी ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजे की प्रतीक्षा कर रही है। बता दें कि दक्षिण कोरिया में बंदूक रखने के सख्त कानून हैं। अवैध तरीके से बंदूक रखने पर 15 साल तक की जेल और करीब 75,300 डॉलर तक का जुर्माना हो सकता है।

पूरे पाकिस्तान में इमरान खान पर 80 मुकदमे दर्ज, अब इस मामले में गिरफ्तार करने लाहौर पहुंची पुलिस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को हेट स्पीच मामले में गिरफ्तार करने के लिए लाहौर में पुलिस टीम पहुंच चुकी है। जियो न्यूज ने बताया कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नफरत फैलाने वाले भाषण मामले में गिरफ्तार करने के लिए क्वेटा पुलिस की एक टीम लाहौर पहुंच गई है। पुलिस की यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा राज्य के संस्थानों के खिलाफ उकसाने के एक मामले में इमरान खान के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी करने के एक दिन बाद आई है। अदालत ने अधिकारियों को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख को हिरासत में लेने और उन्हें अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था। इमरान खान ने अपने भाषणों में, पुलिस द्वारा उन्हें उनके निवास से गिरफ्तार करने के असफल प्रयास के बाद राज्य के संस्थानों की भारी आलोचना की थी। इस्लामाबाद की एक अदालत द्वारा तोशखाना मामले में खान के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बाद पुलिस की छापेमारी शुरू हुई। इमरान खान तोशखाना नामक राज्य डिपॉजिटरी से रियायती मूल्य पर प्रीमियर के रूप में प्राप्त एक महंगी ग्रेफ कलाई घड़ी सहित उपहार खरीदने और लाभ के लिए उन्हें बेचने के लिए निशाने पर रहे हैं।

जर्मनी के हैमबर्ग में चर्च के अंदर गोलीबारी से 6 लोगों की मौत

-पुलिस ने लोगों से घरों के अंदर रहने की दी चेतावनी

हैमबर्ग। जर्मनी के हैमबर्ग में गुरुवार को हुई गोलीबारी की घटना में कई लोगों की मौत हो गई है। जर्मन पुलिस के अनुसार चर्च में हुई इस घटना में मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पुलिस की तरफ से बताया गया है कि यह घटना गुरुवार को स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे हुई है। पुलिस का कहना है कि इस गोलीबारी में एक या फिर इससे ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं। हालांकि, पुलिस ने यह भी कहा है कि घटना को अज्ञात हमलावरों की तरफ से अंजाम दिया गया है।

हैमबर्ग के जिस चर्च में यह घटना हुई है, उसे यहोवा विटेनस केंद्र के तौर पर जाना जाता है। माना जा रहा है कि संदिग्ध की भी इस घटना में मौत हो गई है। पुलिस की तरफ से मृतकों के आंकड़ों पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, स्थानीय मीडिया की मानें तो घटना में छह लोगों की मौत हो गई है। हैमबर्ग पुलिस की तरफ से बताया गया कि उन्हें रात करीब नौ बजे इमरजेंसी कॉल्स आनी शुरू हुई थीं। पुलिस प्रवक्ता की तरफ से बताया गया है कि अथॉरिटीज की तरफ से इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस जैसे ही घटनास-?थल पर पहुंची तो हर तरफ बस लाशों का ढेर लगा हुआ था। फर्श पर लाशों के अलावा घायल लोग दर्द में तड़प रहे थे। जिस समय घटना हुई, चर्च के अंदर कोई कार्यक्रम चल रहा था। पुलिस ने इस बात पर कोई जानकारी नहीं दी कि यह कोई आतंकी घटना थी या नहीं। पुलिस का कहना है कि इस समय अभी इस बारे में कुछ नहीं पता लग सका है कि आखिर इस घटना को क्यों अंजाम दिया गया या फिर इसका मकसद क्या था?

घटनास्थल से आई फुटेज में नजर आ रहा है कि कई दर्जन हथियारबंद पुलिस ऑफिसर्स सेंटर के अंदर मौजूद हैं, जबकि एक हेलीकॉप्टर ऊपर चक्कर लगा रहा है। चर्च के आसपास की सभी गलियों की नाकेबंदी कर दी गई है। पुलिस ने इस इलाके में सर्वोच्च स्तर के खतरे की चेतावनी दी है। आसपास के लोगों को घरों के अंदर ही रहने के लिए कहा गया है। हाल के कुछ वर्षों में जर्मनी में कई ऐसे हमले हुए हैं, जिन्हें कट्टरपंथियों की तरफ से अंजाम दिया गया है।

जोर्जिया में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी देश के झंडे को लहराते हुए।

मलेशिया के पूर्व पीएम यासीन को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया

क्वालालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासीन को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। मार्च 2020 से अगस्त 2021 तक मलेशिया की कमान संभालने वाले मुहिद्दीन अहम पद से हटने के बाद मुकदमे का सामना करने वाले देश के दूसरे नेता हैं। इससे पहले, पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रज्जाक पर 2018 के आम चुनाव में हार के बाद भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए गए थे। अंतिम अपील खारिज होने के बाद पिछले साल अगस्त में उन्हें जेल भेजा गया था। उन्हें 12 साल की जेल की सजा हुई है। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने कहा कि मुहिद्दीन पर अपने कार्यकाल के दौरान सरकारी परियोजनाओं में हुए कथित कदाचार और धन शोधन को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाए जाएंगे। मुहिद्दीन (75) को पूछताछ के लिए भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी के कार्यालय पहुंचे। बीते तीन सप्ताह में उनसे दूसरी बार पूछताछ की गई। इससे पहले उनसे परियोजनाओं को मंजूरी के संबंध में फरवरी में पूछताछ की गई थी। इन परियोजनाओं में कोविड-19 आर्थिक मदद कार्यक्रम भी शामिल है। नवंबर के आम चुनावों के बाद सत्ता संभालने वाले प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने पिछली सरकार पर नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगाकर उसके कार्यकाल में अनुमोदित सरकारी परियोजनाओं की समीक्षा का आदेश दिया था।

यूएन में बोलीं भारत की स्थायी प्रतिनिधि पीएम मोदी के 'बेटी बचाओ', 'बेटी पढ़ाओ' ने लैंगिक समानता में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व ने 'बेटी बचाओ', 'बेटी पढ़ाओ' जैसे प्रभावशाली अभियानों के माध्यम से लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण के महत्व को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि ने CSW67 साइड इवेंट 'ए वर्ल्ड वी वीमेन एंड ए वर्ल्ड' में कहा, 'भारत के प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों और सांस्कृतिक लोकाचार ने हमें लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण को हमारे समाज के प्रमुख किरदारों में से एक के रूप में पहचानना करवाया है।

न्होंने कहा कि हम अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व द्वारा भी निर्देशित होते हैं, जो 'बेटी बचाओ', 'बेटी पढ़ाओ' जैसे प्रभावशाली अभियानों के माध्यम से जारी किए गए इनके महत्व को उजागर करने में सहायक रहे हैं। कम्बोज ने इस कार्यक्रम में कहा, 'डिजिटल इंडिया', 'माईगॉव' प्लेटफॉर्म जैसे कार्यक्रम पिछले नौ वर्षों में भारत में डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने में अभूतपूर्व सफलता की कहानी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने महिलाओं के लिए वित्त, ऋण, प्रौद्योगिकी और रोजगार तक पहुंच को सक्षम करने के लिए अधिक ध्यान देने के साथ कई नागरिक-केंद्रित डिजिटल पहल भी की हैं।

उन्होंने कहा कि इन पहलों ने संकट में फंसी महिलाओं को बड़ी सहायता प्रदान करने, महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने और समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। एक उदाहरण देते हुए, कंबोज ने कहा कि भारत सरकार ने बैंक खाते खोले हैं। 482 मिलियन से अधिक लोगों के बैंक खाते हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिलाएं हैं। कोविड महामारी के दौरान, इस पहल ने सीधे लाभ हस्तांतरण में मदद की लगभग 200 मिलियन महिलाएं।

शी जिनपिंग लगातार तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बने

-साल 2013 में वह पहली बार बने थे देश के राष्ट्रपति

-सबसे ज्यादा समय तक राज करने वाले पहले चीनी नेता

बीजिंग (एजेंसी) शी जिनपिंग लगातार तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बने हैं। शुक्रवार को उन्होंने असाधारण तौर पर अपने तीसरे कार्यकाल का आगाज किया है। वह देश के पहले ऐसे नेता हैं, जो लगातार तीन बार राष्ट्रपति का पद संभाल रहे हैं। साल 2013 वह पहली बार देश के राष्ट्रपति बने थे। इसके बाद साल 2018 में उन्हें दूसरी बार राष्ट्रपति चुना गया था। शुक्रवार को सालाना नेशनल पीपुल्स कांग्रेस में प्रतिनिधियों ने औपचारिक तौर पर शी को सेंट्रल मिलिट्री कमीशन का चेयरमैन नियुक्त करने का ऐलान किया।

अक्टूबर 2022 में हुई चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं नेशनल कांग्रेस के दौरान शी जिनपिंग ने अपनी पार्टी पर नियंत्रण और मजबूत कर लिया था। इसी दौरान उन्होंने पार्टी के सर्वोच्च पदों पर अपने करीबियों और वफादारों को नियुक्त किया था। अक्टूबर में जो सम्मेलन हुआ था, उसके बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी सरकार के पदों पर अहम नियुक्तियां करती है, जिनमें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नियुक्ति सबसे अहम होती है। शनिवार को प्रतिनिधि चीन के नए प्रधानमंत्री के नाम को मंजूरी देंगे। सोमवार को जिनपिंग संसदीय मीटिंग के खत्म होने पर अपना संबोधन देंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री का भाषण होगा। शुक्रवार को प्रतिनिधियों ने स्टेट काउंसिल के पुनर्गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। यह चीनी सरकार की टॉप एग्जिक्यूटिव बॉडी है। इस हफ्ते एक योजना का ड्राफ्ट रिलीज किया गया था। इसमें साफ हो गया था कि सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी आने वाले दिनों में सरकार का नियंत्रण और बढ़ाने वाली है। जिनपिंग का कद पार्टी के अंदर पिछले एक दशक में काफी तेजी से बढ़ा है। कम्युनिस्ट पार्टी के एक साधारण वर्कर से आज वह दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति हैं।

तंगहाल पाकिस्तान हर शर्त मानने को तैयार, पर आईएमएफ सख्त, बाकी देशों के लिए नरम

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के हालात दिन-प्रतिदिन और बिगड़ते जा रहे हैं। किसी भी देश से मदद के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। और तो और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भी मुंह मोड़ लिया है। जो ताजा जानकारी सामने आ रही है, उसके मुताबिक आईएमएफ ने संकट में घिरे सदस्य देशों के लिए अस्थायी तौर पर फंडिंग में इजाफा कर दिया है। इसका मकसद इन देशों के सामने मौजूद वित्तीय चुनौतियों को कम करना है। वहीं, दूसरी तरफ आईएमएफ ने अभी तक उस बेलआउट पैकेज को हाथ भी नहीं लगाया है जो पाकिस्तान को मिलने वाला था।

आर्थिक संकट से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तान को आईएमएफ से मिलने वाली मदद का बेसब्री से इंतजार है, लेकिन संगठन भी अपने रुख से टस से मस नहीं हो रहा है। आईएमएफ की तरफ से एक आधिकारिक बयान जारी किया गया है। इस बयान से साबित होता है कि कैसे संगठन अपने नियमों में दूसरे सदस्य देशों के लिए ढील देने की तैयारी में है। आईएमएफ की तरफ से बताया गया है कि फंड के जनरल रिसोर्स अकाउंट के तहत हर साल लोन मिलने वाली सीमा को 200 फीसदी तक किया जाएगा। यह लिमिट 12 महीने यानी एक साल के लिए होगी। वर्तमान में यह आंकड़ा 145 फीसदी है।

आईएमएफ ने जो बदलाव किए हैं उसके बाद सदस्य देशों को फंड आसानी से मिल सकेगा। इस नए नियम के बाद उन्हें कड़े नियमों के बिना भी संकट के समय फंड मिल सकेगा। आईएमएफ की तरफ से आए नए नियम के बाद पिछले महीने कर्ज देने वाले पांच देश अपने भंडार का प्रयोग कर सके थे। इन देशों ने गरीब देशों की सहायता के लिए हाथ बढ़ाया था। आईएमएफ के बयान के मुताबिक फंड का स्टाफ 12 महीने तक कार्यकारी बोर्ड की नियुक्ति फिर से हो पाएगी। जो प्रस्ताव आया है उसके तहत कर्ज की उच्च सीमा को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर यह बोर्ड फैसला लेगा, लेकिन परिस्थितियों को देखने के बाद ही कोई फैसला लिया जा सकेगा।

नेपाल के नए राष्ट्रपति चुने गए रामचंद्र पौडेल

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाली कांग्रेस के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रामचंद्र पौडेल चुनाव में विजयी घोषित किए गए हैं, और वह देश के तीसरे राष्ट्रपति बने हैं। पौडेल उस समय राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं जब राजनीतिक अस्थिरता बढ़ रही है और प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड के नेतृत्व में कमजोर गठबंधन सरकार शासन कर रही है। पौडेल आठ दलों के गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार थे, जिसमें नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओइस्ट सेंटर (सीपीएन-माओइस्ट सेंटर) शामिल है।

पौडेल को संसद के 214 सदस्यों और प्रांतीय विधानसभाओं के 352 सदस्यों का समर्थन मिला। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर मेरे मित्र पौडेल को हृदय से बधाई। आठ पार्टियों के समर्थन की वजह से 78 वर्षीय पौडेल का निर्वाचित होना लगभग तय था। उनके खिलाफ पूर्व पीएम केपी शर्मा 'ओली' नीत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-एकीकृत मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के सुभाष चंद्र नेमबांग मैदान में थे।

नेपाल की निवर्तमान राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी का कार्यकाल 12 मार्च को समाप्त हो रहा है। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 882 मतदाता हैं, जिसमें 332 सदस्य संसद के हैं, जबकि 550 सदस्य सात प्रांतीय विधानसभाओं के हैं। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता शालीग्राम ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव में प्रांतीय विधानसभाओं के 518 सदस्यों और संसद के 313 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

पौडेल को राष्ट्रपति पद के चुनाव में समर्थन देने को लेकर उत्पन्न राजनीतिक विवाद के बाद पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल ने मौजूदा सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। सीपीएन-यूएमएल नेपाल की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। राष्ट्रपति के कार्यकाल की अवधि निर्वाचन की तारीख से पांच वर्ष होगी और एक व्यक्ति को इस पद पर केवल दो कार्यकाल के लिए ही चुना जा सकता है। पौडेल का जन्म 14 अक्टूबर 1944 को बाहुनपोखरी में एक मध्यम वर्गीय किसान परिवार में हुआ था और 16 साल की उम्र में ही वह राजनीति से जुड़ गए थे। वह वर्ष 1970 में नेपाली कांग्रेस की छात्र इकाई नेपाल स्टुडेंट्स यूनियन के संस्थापक सदस्य बने। पौडेल वर्ष 1980 में नेपाली कांग्रेस (प्रतिबंधित) तन्हुं जिला समिति के उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए। वर्ष 1987 में उन्हें पदोन्नति मिली और पार्टी की केंद्रीय कार्य समिति में जगह दी गई। इसी साल उन्हें पार्टी प्रचार समिति का सदस्य बनाया गया।

ट्रंप की नई किताब में शामिल होंगे मशहूर हस्तियों और नेताओं के पत्र

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने एक नई किताब का विमोचन करेंगे, जिसमें मशहूर हस्तियों और नेताओं द्वारा उन्हें लिखे गए पत्रों को शामिल किया गया है। 'लेटर्स टू ट्रंप' में बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और रिचर्ड निक्सन सहित पूर्व राष्ट्रपतियों के साथ-साथ ओपरा विन्फे और माइकल जैक्सन जैसी हस्तियों के साथ उनके निजी पत्राचार शामिल हैं। दिवंगत राजकुमारी डायना के अलावा ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के पत्र भी इसमें शामिल होंगे।

क्रिप्टो करेंसी चुराकर परमाणु बम बना रहा किम जोंग उन, दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए बनाया बैलिस्टिक मिसाइल वाला प्लान

प्योंगयांग (एजेंसी)। पाकिस्तान के उकसावे पर मोदी सरकार के हमले हो या चीन के साथ सीमा पर संघर्ष में इजाफे की बात। अमेरिकी रिपोर्ट ने भारत को लेकर चीन और पाकिस्तान संग संबंधों पर अपनी रिपोर्ट में कई बड़े दावे किए हैं। लेकिन अब अमेरिका ने सनकी तानाशाह किम जोंग उन को लेकर बड़े खुलासे किए हैं। उत्तर कोरिया को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर से चौंकाने वाला खुलासा किया है। 8 मार्च को जारी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम के तहत एक बार फिर परमाणु परीक्षण करने जा रहा है। हाल ही में जारी सालाना थ्रेट असीसमेंट रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि नॉर्थ कोरिया परमाणु परीक्षण को छिपाने के लिए बैलेस्टिक मिसाइले दागना जारी रख सकता है।

बैलिस्टिक मिसाइल दागने का दावा

दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने 9 मार्च को अपने पश्चिमी तट से समुद्र की ओर छोटी दूरी की एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टॉफ' ने कहा कि मिसाइल को पश्चिमी तटीय शहर नम्पो के आसपास के इलाके से दागा गया। हालांकि दक्षिण कोरिया की सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि मिसाइल कितनी दूरी तक गई। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को चेतावनी दी थी कि उनका देश अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ ''शीघ्र एवं अत्यंत उग्र कदम'' उठाने के लिए तैयार है।

क्रिप्टो करेंसी की चोरी

गौरतलब है कि 2006 के बाद नॉर्थ कोरिया ने छह बार परमाणु परीक्षण किया है। हर परीक्षण के बाद उसकी न्यूक्लियर ताकत में इजाफा होता जा रहा है। आपको बता दें कि किम जोंग उन ने आखिरी परमाणु परीक्षण 2017 में किया था। उसके बाद कई खबरों में आया कि नॉर्थ कोरिया ने एक बार फिर परमाणु परीक्षण कर डाला। हालांकि इसके कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले। अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नॉर्थ कोरिया अपने घोषित सैन्य लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए न्यूक्लियर डिवाइस का टेस्ट करने जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि नॉर्थ कोरिया अपने परमाणु कार्यक्रमों के लिए क्रिप्टो करेंसी की चोरी करता है।

संपादकीय

कुछ भी तो नहीं शाश्वत

जीवन क्षणभंगूर हैं, शरीर अनित्य है आत्मा शाश्वत। हमारी सोच-हमारा दृष्टिकोण सही दिशा में होने से अन्यो के लिए प्रेरणा एवं आनंददायक भी हो सकती हैं ।जब व्यक्ति का चिंतन सकारात्मक होता है। स्व के प्रति,शरीर के प्रति, स्वास्थ्य के प्रति,परिवार के प्रति,व्यवसाय के प्रति,कर्म के प्रति तब उसका पुरुषार्थ,कर्म,व्यवहार सफलता के साथ निश्चित ही साथ देता है। क्या देखना है, क्या देख रहे है ।शरीर और आत्मा का यह सम्वाद ।आत्मा और शरीर के बीच चल रही वार्तालाप , कान लगाकर ,ध्यान से सभी सुने आज ।आत्मा- मैं सबको देखता,पर सदा प्रसन्न रहता । शरीर- क्या आप मुझे भी देखते है ? आत्मा-हाँ, तुम जो करते हो उसे जानता व देखता हूँ। शरीर- मैं जो देखता हूँ उसका परिणाम कभी खुशी कभी गम है ।मेरा देखना तो मात्र उलझन है ।आत्मा-शरीर क्या तुमने मुझे कभी देखा ?शरीर-राग और द्वेष है मेरी दो आंखे और उनकी नज़र है बाहर।

आत्मा-मैं तो बाहर-भीतर दोनो को देखता हूँ । फिर भी सदा रहता हंसता । शरीर-मुझे भी प्रसन्न रहने का बताए राज । आत्मा- क्या देखना है ,क्या देख रहे हो ,अपने-आप से करो ये चिन्तन। शरीर-समझ गया हूँ कि तुम बिन मैं नही हूँ कुछ। जो आत्मा को देखता वही रह सकता खुश ।आत्मा- शरीर अब तुम लगाओ अनासक्ति का चश्मा और श्वास पर टिके नजर। शरीर- धन्यवाद आत्मा तुमने दिखा दी मुझे सही राह। अब मैं जान गया कि मुझे देखना है वही जिसकी अन्तिम मंजिल है सिर्फ और सिर्फ प्रसन्नता । क्योंकि न हमारे विचार हैं । न संवेदनाओं के आचार हैं । न मनोहारी दृश्य हैं । जो आज दीखते हैं सब एक दिन हो जाएँगे क्षण में अदृश्य। कीट, पतंगे, पशु, पक्षी और मनुष्य ये सब कोई आज, कोई कल है जो हो ही जायेंगे एक-एक कर अदृश्य कर पूरा अपना-अपना आयुष्य। तभी तो कहा हैं की कुछ भी तो नहीं शाश्वत ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

वसुंधरा ने दिखाया भाजपा आलाकमान को दम

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में भाजपा की वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने चूरू जिले के सालासर बालाजी मंदिर क्षेत्र में अपने जन्मदिन मनाने के बहाने अपनी ताकत का एहसास कराया है। वसुंधरा राजे द्वारा यह एक तरह से सीधे भाजपा आलाकमान व अपने विरोधियों को चैलेंज के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि वसुंधरा राजे का जन्मदिन आठ मार्च को आता है। मगर उन्होंने चार दिन पूर्व ही शेखावाटी क्षेत्र के सालासर में अपने जन्मदिन के बहाने एक बड़ी जनसभा का आयोजन कर अपनी ताकत का अहसास करवाया है। वसुंधरा राजे ने अपना जन्मदिन मनाने के लिए उसी दिन का चयन किया जिस दिन भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा जयपुर में विधानसभा का घेराव किया जाना था। विधानसभा का घेराव करने के कार्यक्रम को प्रदेश भाजपा द्वारा प्रायोजित किया जा रहा था। उसी के समानांतर वसुंधरा राजे का कार्यक्रम करना कुछ अलग ही कहानी बयां करता है।

2018 का विधानसभा चुनाव हार जाने के बाद वसुंधरा राजे पार्टी में अलग-थलग पड़ गई है। पार्टी के बड़े कार्यक्रमों में भी वह अक्सर अनुपस्थित रहती है। प्रदेश भाजपा के संगठन में भी वसुंधरा विरोधियों की भरमार है। यहां तक कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया वसुंधरा विरोधी खेमे के माने जाते हैं। विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि से आए सतीश पूनिया राष्ट्रीय स्वयं संघ के नजदीकी है तथा संगठन में वर्षो से विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। जाट समाज से आने वाले पूनिया अपनी सौम्य छवि के कारण राजस्थान भाजपा में खासे लोकप्रिय भी है। इसी के चलते वसुंधरा राजे पूनिया को पसंद नहीं करती है।

इसी साल के अंत में राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में वसुंधरा राजे को लगता है कि यदि उनकी इसी तरह चुनाव में भी उपेक्षा की गई तो उनका राजनीतिक प्रभुत्व समाप्त हो जाएगा। इसी आशंका के चलते वह भाजपा की मुख्यधारा में आने के लिए पूरा जोर लगा रही है। सालासर का कार्यक्रम भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है। वसुंधरा राजे चाहती है कि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी आलाकमान उन्हें एक बार फिर नेता प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़े। ताकि चुनाव में जीतने पर वह फिर से मुख्यमंत्री बन सके। मगर भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को किसी भी परिस्थिति में नेता प्रोजेक्ट कर चुनाव नहीं लड़ना चाहता है। पार्टी आलाकमान द्वारा इस बात का खुलकर इजहार भी किया जाता रहा है।

भाजपा आलाकमान चाहता है कि राजस्थान में नया नेतृत्व आगे आए। वसुंधरा राजे राजस्थान की राजनीति में लंबी पारी खेल चुकी है। ऐसे में उनके स्थान पर नए नेताओं को आगे करने से आने वाले समय में पार्टी को नया नेतृत्व मिलेगा। इसी सोच के तहत भाजपा आलाकमान प्रदेश में सतीश पूनिया, गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, दीया कुमारी, जोगेश्वर गर्ग, राज्यवर्धन सिंह राठौड, रामलाल शर्मा, मदन दिलावर, अनिता भदेल, ओम बिरला, सीपी जोशी, स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, अश्विनी वैष्णव जैसे नए व युवा चेहरों को आगे बढ़ा रहा है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे गुलाबचंद कटारिया को भी इसी सोच के तहत असम का राज्यपाल बनाया गया है। ताकि उनके स्थान पर उदयपुर डिवीजन में नया नेतृत्व उभर सके। जिस तरह से गुजरात विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, उप मुख्यमंत्री रहे नितिन पटेल सहित बहुत से वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए लोगों को मौका दिया गया था। उसी तर्ज पर पार्टी आलाकमान राजस्थान में भी बदलाव करना चाहता है। अगले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां अधिक उम्र वाले विधायकों के टिकट कटना तय माना जा रहा है। उसके साथ ही बहुत से ऐसे नेताओं के टिकट भी कटेंगे जिनकी क्षेत्र में परफॉर्मेंस अच्छी नहीं मानी जा रही है। इसमें वसुंधरा राजे समर्थक बहुत से मौजूदा विधायकों के नाम भी शामिल है। इसी बात से वसुंधरा समर्थक चिंतित नजर आ रहे हैं। वसुंधरा राजे समर्थक भवानी सिंह राजावत का पिछले विधानसभा चुनाव में लाडपुरा से टिकट काटकर उनके स्थान पर कोटा की महारानी कल्पना देवी को भाजपा प्रत्याशी बनाया गया था। जो चुनाव भी जीत गयी थी। अब भवानी सिंह राजावत के पास चुनाव लड़ने के लिए कोई क्षेत्र नहीं है। ऐसे में यदि वसुंधरा समर्थक अन्य नेताओं के टिकट भी कटते हैं तो उनके सामने चुनाव लड़ने का विकल्प ही नहीं बचेगा। वसुंधरा समर्थकों को पता है कि वह सब लोग चुनाव अपने दम पर नहीं बल्कि पार्टी के निशान पर जीतते हैं। ऐसे में यदि उनके पास पार्टी का निशान नहीं रहेगा तो चुनाव जीतने का तो सवाल ही नहीं होगा। समर्थकों का दबाव व खुद को मुख्यधारा में शामिल करवाने के लिए ही वसुंधरा राजे ने अपने जन्मदिन के बहाने रैली कर पार्टी आलाकमान को खुला संदेश दिया है कि उनकी ताकत को कम कर नहीं आंका जाए। प्रदेश में आज भी उनका जनाधार बरकरार है। वसुंधरा राजे के कार्यक्रम में गंगानगर सांसद निहालचंद मेघवाल, चूरु सांसद राहुल कस्वां, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, झालावाड़ सांसद व उनके पुत्र दुष्यंत सिंह, टोंक सवाई माधोपुर सांसद सुखबीर जौनपुरिया, करौली-धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया सहित करीबन दो दर्जन विधायक, कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद भी शामिल हुए।

हालांकि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अरुण सिंह भी जयपुर के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रात को सालासर पहुंचकर वसुंधरा राजे को उनके जन्मदिन की बधाई दी। अरुण सिंह का वसुंधरा के कार्यक्रम में पहुंचना भाजपा आलाकमान का डैमेज कंट्रोल करना ही था। भाजपा आलाकमान चाहता है कि चुनाव तक वसुंधरा राजे को ऐसे ही लटकाए रखा जाए। ताकि वह पार्टी से अलग जाकर कोई कदम नहीं उठा सके। मगर वसुंधरा राजे इस बात से पूरी तरह वाकिफ है कि उन्हें जो कुछ भी करना है चुनाव से पूर्व ही करना है। चुनाव की घोषणा होने के बाद उनके पास ज्यादा विकल्प नहीं बचेंगे। अपनी सालासर रैली में वसुंधरा राजे ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई, पूर्व

मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत की जमकर तारीफ की। भैरोंसिंह शेखावत को उन्होंने अपना राजनीतिक गुरु तक बताया जिनकी अंगुली पकड़ कर उन्होंने राजनीति में चलना सीखा। मगर प्रदेश के लोगों को पता है कि भैरोंसिंह शेखावत के अंतिम दिनों में वसुंधरा राजे ने उनको कैसे गुरु दक्षिणा दी थी। एक समय तो ऐसी परिस्थितियां हो गई थी कि भैरोंसिंह शेखावत ने निर्दलीय चुनाव लड़ने तक की घोषणा कर दी थी। कुल मिलाकर वसुंधरा राजे ने सालासर में अपने समर्थकों को जुटाकर अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। हालांकि वसुंधरा समर्थक पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परणामी व पूर्व मंत्री यूनुस खान सभा से पूर्व एक लाख की भीड़ जुटने का दावा कर रहे थे। मगर वसुंधरा राजे की सभा में अपेक्षा के अनुरूप लोग नही जुट पाए। जिससे उन्हें भी आभास हो गया कि समय उनके हाथ से निकलता जा रहा है। साथ ही समर्थकों की संख्या भी धीरे-धीरे कम हो रही है।

वरिष्ठ नेता चंद्रराज सिंघवी का कहना है कि वसुंधरा के साथ का कोई भी नेता अपने बूते चुनाव नहीं जीत सकता है। सभी को पार्टी टिकट की चिंता है। जिस दिन पार्टी सख्ती करेगी उसी दिन सभी लोग वसुंधरा राजे को छोड़कर पार्टी लाइन में खड़े नजर आएंगे। वसुंधरा राजे फिर से मुख्यमंत्री बन पाती है या नहीं इस बात का पता तो चुनाव के बाद ही चल पाएगा। इस बार यदि वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनने से चूक जाती है तो उसके साथ ही उनका राजनीतिक वर्चस्व भी समाप्त हो जाएगा। बहरहाल भाजपा आलाकमान व वसुंधरा राजे के बीच शह मात का खेल जारी है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशीफल

मेष	अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।
कर्क	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।
तुला	व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।
मकर	पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

अब एडोनावायरस की दस्तक नई चिंता का सबब

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

कोरोना की रफ्तार सुस्त पड़ते ही एक नए एडोनावायरस की धमक ने एक बार फिर चिन्ता बढ़ा दी है। इसका अब तक ज्यादा असर केवल प.बंगाल में ही दिखा है। लेकिन पुणे और दूसरी जगहों से ऐसे ही लक्षणों के मरीज मिलना मेडिकल विशेषज्ञों के लिए नई परेशानी का सबब बन सकता है। हालाकि यह सच है कि हर वक्त किसी न किसी वायरस के साथ जीना पड़ता है जो आम है लेकिन जब ये खतरनाक रूप या महामारी में तब्दील होकर घातक हो जाते हैं तो स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाते हैं। हमने कोविड के दौरान वायरस के ऐसे ही रूप को देखा जिसने सौ साल में आने वाली महामारी बनकर कैसी तबाही मचाई। आगे चलकर यह कितना फैलेगा और कैसे रोक पाएंगे इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। लेकिन जैसा कि अमूमन हर संक्रामक बीमारी में होता है कि बचाव ही सुरक्षा है वाला तरीका अपनाना होगा। इसका असर सबसे ज्यादा बच्चों में पड़ता है जिसकी एक खास वजह भी सामने आई लेकिन सभी उम्र के लोगों को भी प्रभावित करता है। हाँ, जद में छोटे-छोटे बच्चे इसलिए आसानी से आते हैं क्योंकि वो खुद दूसरे बड़े या छोटे के संपर्क में रहते हैं और मुंह में कुछ भी डाल लेना तथा हाथ न धोना ज्यादा तेज असर करता है। जन्म के समय कम वजन और हृदय रोग के पीड़ित भी जल्द शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा सांस की बीमारी वाले बच्चों पर भी एडोनावायरस का तेज असर देखा गया है। वैसे भी बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है इसीलिए उनके लिए घातक होता सकता है।

एडोनावायरस के लक्षण भी कोरोना से काफी कुछ मिलते हैं लेकिन सुकून की बात है कि यह उसका वैरिएण्ट नहीं है। इसे वायरल फ्लू की तरह माना जाता है जिसका कोई विशेष इलाज नहीं है। जरा सी सतर्कता और सावधानी से इससे डरे बिना घर पर भी इसके हल्के लक्षणों का कोरोना की तरह इलाज किया जा सकता है। जीवन रक्षक घोल यानी ओआरएस और अच्छे, ताजे व स्वस्थ आहार के साथ इसके इलाज की सलाह दी जाती है। लेकिन सतर्कता ज्यादा जरूरी है। जब तीन दिनों तक बुखार न उतरे और रोगी में सुधार न दिखे बल्कि जल्दी-जल्दी सांस लेने लगे, भूख भी कम हो जाए पेशाब भी रोजाना की तुलना में कम लगे तो जरूर चिन्ता की बात है। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए मास्क बेहतर बचाव का साधन है। चिकित्सक भी मास्क के अलावा स्वच्छता संबंधी वो सारे उपाय के लिए कहते हैं जो कि कोविड के दौरान जरूरी थे। जैसे बार-बार हाथ धोना, संक्रमण की स्थिति में दूरी बनाए रखना और प्रभावित होने पर क्वारंटीन होना। अब तक लक्षणों से जो सामने आया है उसमें 3 दिन से ज्यादा समय तक बुखार व खांसी चलते रहना, गले में खराश, नाक बहना, उल्टी, दस्त पेट दर्द, तेज-तेज सांस लेना, गुलाबी आंखें हो जाना, कान के संक्रमण यानी ओटिटिस मीडिया जिसमें कान के परदे के पीछे हवा वाले स्थान जो कान के बीचों बीच होता है में संक्रमण होना, सूजी हुई लसीका ग्रंथियां, सीने में ठंड यानी ब्रोंकाइटिस, न्यूमोनिया भी एडोनावायरस का कारण हो सकता है। इसका असर 3 से 5 दिनों तक दिखता है लेकिन पर दो सप्ताह तक भी मरीज बीमार रह सकता है। ऐसे में लगातार खांसी या किसी भी संभावित लक्षण की दशा में तुरंत चिकित्सक की सलाह लेना जरूरी है। एडेनोवायरस संक्रमण के इलाज के लिए कोई सटीक एंटीवायरल दवा भी अब तक नहीं होने से इसको रोकने के लिए आम दवाएं ही दी जाती हैं। लेकिन गंभीरता की स्थिति में चिकित्सक तेज असरकारक दवाएं लक्षण के हिसाब से देते हैं। ऐसे में लक्षणों की अनदेखी भारी पड़ सकती है।

अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की श्रंखला में चौथे क्रम पर शुमार क्लीवलैंड क्लिनिक जिसे कोरोनरी धमनी बाईपास सर्जरी और पहले चेहरा प्रत्यारोपण करने का श्रेय भी प्राप्त है के अनुसार एडेनोवायरस एक सामान्य वायरस है जो कई प्रकार के सर्दी या फ्लू जैसे संक्रमण का कारण बनते हैं। यह मध्यम आकार का एक अल्प विकसित वायरस है जो कई तरह के संक्रमण पैदा कर सकता है। इसमें एक आइकोसाहेड्रल न्यूक्लियोकैप्सिड यानी वायरल प्रोटीन का कोट है जिससे जीनोम यानी आनुवांशिक संरचना का पता लग सकता है। इससे हम पता लगा सकते हैं कि आखिर उसका कैसा व्यवहार है? जब तक यह जानकारी नहीं होगी तब तक जांच, इलाज, टीका किसी की खोज नहीं हो सकती है। शोधकर्ताओं ने लगभग 50 ऐसे एडेनोवायरस के वैरिएण्ट पहचाने हैं जो मनुष्यों को संक्रमित कर सकते है। उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि इस वायरस का संक्रमण यूं तो पूरे वर्ष होता है जो सर्दी और बसंत के दौरान ज्यादा होता है।

लेकिन प.बंगाल में ही यह क्यों बढ़ रहा है? जबकि वहां मौसम दूसरे राज्यों के मुकाबले गर्म होता है। इस पर अभी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। इस बीच इसी 19 फरवरी को 6 महीने के लड़के व ढ़ाई साल की लड़की के अलावा 23 फरवरी को 13 साली की एक बच्ची की मौत के अलावा 11 अन्य शिशुओं की गैर आधिकारिक मौतों से वहां का स्वास्थ्य अमला हाई एलर्ट पर है। जिस तरह से शिशु रोगियों की संख्या और अस्पताल के शिशुवार्ड में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है वह चिन्ताजनक है। हालाकि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान में प्रभावित मरीजों के सैंपल भेजे गए हैं जिनकी रिपोर्ट के बाद ही काफी कुछ साफ हो पाएगा। लेकिन प. बंगाल के धरातल पर इस वायरस को लेकर जो स्थितियां बन रही हैं उससे समय रहते ही चेत जाने में बुराई क्या है। कोरोना के दौरान जिस तरह के हालातों का सामना कर देश वापस उठ खड़ा हुआ है ऐसे में यदि कोई चुनौती जो बनती दिख रही है उससे चेतने और निपटने के लिए पहले से ही तैयार रहना ही बड़ा बचाव दिखता है। वैसे भी कोविड-19 ने दुनिया को जो सीख दी है उसके बाद भी अगर लोग खुद भी आँखें मूंदकर लापरवाही बरतते हैं तो सरकार कितना कर पाएगी। सरकार को भी जल्द ही कम से कम छोटे-छोटे स्कूली बच्चों के लिए खास गाइड लाइन जारी करनी चाहिए। यदि मास्क से ही किसी संभावित बड़ी मुसीबत को चुनौती दी जा सकती है इसमें बुराई ही क्या है। एक बार फिर मास्क ही एडोनावायरस खातिर रामबाण बन जाए तो इससे सस्ता और अच्छा क्या हो सकता है।

विचार मंथन

रिजिजू का राहुल गांधी को पप्पू कहना

(लेखक - सनत जैन)

केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी को एक बार फिर पप्पू कहकर संबोधित किया। इससे कांग्रेस के नेता भड़क गए हैं। कांग्रेस समाचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने इसके जवाब में कानून मंत्री किरण रिजिजू को कलंक कहा है। राहुल गांधी ने कैंब्रिज में जो भाषण दिया था, उसका वीडियो ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा था कि कांग्रेस के स्वघोषित राजकुमार ने सारी हदें लांघ दी हैं। यह आदमी भारत की एकता के लिए बेहद खतरनाक है। यह लोगों को भारत को बांटने के लिए उकसा रहा है। रिजिजू ने एक-दूसरे ट्वीट में लिखा था कि भारत के लोग जानते हैं कि राहुल गांधी पप्पू है। लेकिन विदेशियों को पता नहीं है कि राहुल गांधी हकीकत में पप्पू है। राहुल के फूलिश स्टेटमेंट पर प्रतिक्रिया देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, भारत की छवि को बिगाड़ने के लिए वह इस तरीके के बयान दे रहे हैं। इन दोनों ट्वीट के जवाब में कांग्रेस नेता भड़क कर पलटवार कर रहे हैं। जयराम रमेश की टिप्पणी तो ऊपर लिखी जा चुकी है। जिसमें उन्होंने रिजिजू को कलंक बताया। वहीं सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी सुप्रिया श्रीनेत ने कानून मंत्री पर पलटवार करते हुए कहा, रिजिजू का अस्तित्व सिर्फ राहुल गांधी पर झूठे आरोप लगाने के कारण ही टिका हुआ है. इसलिए वह इस तरह के आरोप लगाते हैं। भारत की राजनीति में जिस तरह से आरोप-प्रत्यारोप के दौर चल रहा है। उसमें शब्दों की मर्यादा भी कहीं से कहीं तक देखने को नहीं मिलती है। जितने नीचे जाकर गुंडागर्दी की भाषा में एक दूसरे के लिए शब्दों का उपयोग कर सकता है, वह कर रहा है। जिस तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। उसके बाद ऐसा लगने लगा है कि जो सत्ताधारी दल है, वह अपने आप को सर्वोच्च बताने के लिए सुप्रीम कोर्ट को भी अपने अधीन बनाना चाहता है। हाल ही में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने एक बयान दिया उसमें उन्होंने सरकार और सरकार के निर्णयों एवं संसद को सर्वोच्च बताया। संविधान केवल मार्गदर्शी है। इसका मतलब यही हुआ कि आपातकाल जब इंदिरा गांधी ने लगाया था, संसद ने उसकी मंजूरी दी थी। उस समय इंदिरा गांधी की सरकार का निर्णय सही थी। इंदिरा गांधी को हाईकोर्ट में गवाही के लिए नहीं जाना चाहिए था। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने जब इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया था, वह भी गलत था। भाजपा नेता सत्ता के मद में कुछ भी बोल रहे हैं। धीरे-धीरे करके सं विधान की सारी मर्यादा खत्म हो रही हैं। कहीं पर भी नै तिकता नहीं रह गई है। अब ऐसा लगने लगा है कि अब हम गुंडों के राज में रह रहे हैं। राजनेताओं की भाषा गुंडों वाली ही है। गैंगवार की तरह राजनीतिक दल एक दूसरे के ऊपर हमलावर हैं। वह अपने तीखे हमले से सामने वाले को हर तरह से प्रताड़ित करने ओर उसे भयभीत करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस इस मामले में कुछ मर्यादा का पालन करती हुई दिखती थी। जिसके कारण भाजपा के नेता लगातार आक्रमक होते रहे। लेकिन लगता है कि अब काग्रेस ने भी समझ लिया है, कि गुंडागर्दी की लड़ाई गुंडागर्दी से ही लड़ी जाएगी। इसके लिए वह भी कोई ऐसा मौका नहीं छोड़ रही है, जिसमें उसे ऐसा लगे कि उसने क्रिया की प्रतिक्रिया नहीं दी है। कांग्रेस भी अब भाजपा और संघ के पुराने मुद्दों पर उनको घेर रही है। आम जनता भी कहने लगी है, कि गुंडे का अस्तित्व उसकी आक्रामकता के कारण होता है। कुछ इसी तरीके की स्थिति अब काग्रेस ने भी बिना हानि लाभ के भाजपा को उसी तरह से जवाब देना सीख लिया है। जिस तरह से भाजपा के नेता वार करते हैं। कहा जाता है सत्ता, स्त्री और धन उन्हीं हाथों में सुरक्षित रहता है, जहां आक्रमकता बनी रहती है। भीरु और डरपोक लोगों के हाथ में ना तो सत्ता सुरक्षित रहती है। नाही स्त्री और ना ही धन। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का यह आक्रमक स्वरूप जनता को विश्वास दिला पाने में कामयाब हो रहा है। कांग्रेस आम जनता की लड़ाई लड़ने में सक्षम है। कांग्रेस उनकी लड़ाई अच्छी तरीके से लड़कर जीत भी सकती है। इसी कारण कांग्रेस और भाजपा का मुकाबला बराबरी पर आ गया है। भाजपा एक सुनाती है, कांग्रेस के नेता उसे दो सुना देते हैं। धीरे-धीरे यह आक्रामकता सभी विपक्षी दलों में भी देखने को मिलने लगी है। सीबीआई, ईडी एवं राज्यपालों के मामले में भी विपक्ष की सरकारें आक्रमक होकर सामने आ रही हैं। केन्द्रीय सत्ता पक्ष के लिए यह बहुत अच्छे शुभ संकेत नहीं है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि वर्तमान सरकार अपनी कार्यप्रणाली को सही साबित करने के लिए पूर्ववर्ती सरकार के कार्यों का समर्थन करती हुई नजर आ रही है।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

निवेशकों के 1.6 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में बिकवाली हावी रही इसके साथ ही उपभोक्ता वस्तुओं और आईटी शेयरों पर भी दबाव पड़ा जिसये ये नीचे आये। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 671.15 अंक करीब 1.12 फीसदी फिसलकर 59,135.13 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 176.70 अंक तकरीबन 1.00 फीसदी नीचे आकर 17,412.90 के स्तर पर बंद हुआ। इससे निवेशकों को करीब 1.6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज कारोबार में अडनी इंटरप्राइसेस, एचडीएफसी बैंक , अपोलो अस्पताल , एसबीआई और एचडीएफसी निफ्टी के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे जबकि टाटा मोटर्स , एनटीपसीसी, मारुति सूजूकी, ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज और बीपीसीएल निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर आज गिरकर 262.70 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके गत कारोबारी दिन यानी गुरुवार 9 मार्च को 264.30 लाख करोड़ रुपये था। इसप प्राकर निवेशकों को एक दिन में 1.6 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्‍ स फिसलकर 59 हजार के करीब पहुंच गया। शुक्रवार को बाजार की शुरुआत ही 500 से ज्‍ यादा अंकों की गिरावट पर हुई और ग्‍ लोबल मार्केट के दबाव में निवेशक ताबड़तोड़ बिकवाली करते नजर आए, जिससे यह गिरावट 800 अंकों के करीब पहुंच गई। सेंसेक्‍ स 546 अंकों के नुकसान के साथ 59,260 पर खुला और कारोबार शुरू किया, जबकि निफ्टी 146 अंक गिरकर 17,444 पर खुला।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नईदिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे उछलकर 82.02 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.12 पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में चार पैसे बढ़कर 82.02 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान रुपया 81.99 के उच्चस्तर और 82.06 के निचले स्तर पर पहुंचा जबकि गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.06 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी नीचे आकर 105.22 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.59 फीसदी घटकर 81.11 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। कमजोर अमेरिकी बाजारों और निराशाजनक साप्ताहिक बेरोजगारी दावों के आंकड़ों के कारण डॉलर तीन महीने के उच्च स्तर से नीचे आया।

अबू धाबी इन्वेस्टमेंटअथॉरिटी लैंसकार्ट में हिस्सेदारी खरीदेगी

मुंबई । अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) भारतीय आईवियर स्टार्टअप लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट में हिस्सेदारी खरीदेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार यह सौदा करीब 50 करोड़ डॉलर का है। इस डील से सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मिडिल ईस्टर्न सॉवरेन वेल्थ फंड मौजूदा लेंसकार्ट शेयरों और नई इक्विटी को खरीदने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे रहा है। हालांकि डील से संबंधित जानकारी सार्वजनिक नहीं है। इस डील से लेन्सकार्ट का मूल्य 4 अरब डॉलर डॉलर से अधिक होगा। डील की घोषणा जल्द ही की जा सकती है। लेन्सकार्ट अपने फंडिंग राउंड को एक ऐसे समय में बंद करने में जा रही है, जब टेक कंपनियां छंटनी के दौर से गुजर रही है। इससे निवेश गतिविधियां कम हुई है और स्टार्टअप का मूल्यांकन कम हो रहा है। लेन्सकार्ट भारत के सबसे बड़े ऑप्टिकल ब्रांड के रूप में विकसित हुई है और केकेआर एंड कंपनी, सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प, टेमासेक होल्डिंग्स पीटीई और प्रेमजीइन्वेस्ट द्वारा समर्थित है। एडीआईए और लेन्सकार्ट दोनों के ही प्रतिनिधियों ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि मामले से परिचित लोगों ने कहा कि चर्चा अभी शुरुआती दौर में है, डील से संबंधित विवरण अभी भी बदल सकते हैं।

18 साल बाद टाटा ग्रुप पेश करेगी अपना आईपीओ

मुंबई । टाटा ग्रुप की टेक कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीस घरेलू बाजार में लिस्ट होने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए पैसे जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास एक ड्राफ्ट फाइल किया है।खबरों के मुताबिक, यह इश्यू ऑफर फॉर सेल का होगा। कंपनी इसके जरिए मौजूदा प्रमोटर्स और शेयरहोल्डर्स 9.57 करोड़ शेयरों की बिक्री करेंगे। बता दें कि टाटा ग्रुप की एक और कंपनी टाटा प्ले भी आईपीओ लाने की तैयारी में है। समूह की जो भी कंपनी पहले इश्यू लाएगी, वह टाटा ग्रुप का 18 साल में पहला आईपीओ होगा।टाटा टेक्नोलॉजीज का इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल का होगा। इस इश्यू के जरिए टाटा मोटर्स 8.11 करोड़, टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड 1 अपने हिस्से के 48.6 लाख और अल्फा टीसी होल्डिंग्स 97.2 लाख इक्विटी शेयरों की सेल करेंगी। बता दें कि टाटा टेक में टाटा मोटर्स की 74.69 फीसदी, अल्फा टीसी होल्डिंग्स की 7.26 फीसदी और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड 1 की 3.63 फीसदी हिस्सेदारी है। इश्यू के लिए जेएम फाइनेंशियल, बोफा सिक्योरिटीज और सिटी ग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया लीड मैनेजर्स हैं।टाटा टेक अपने कारोबार के लिए टाटा ग्रुप पर ही निर्भर है। कंपनी को सबसे ज्यादा कारोबार टाटा मोटर्स और जगुआर लैंड रोवर से ही मिलता है। इसके अलावा टाटा ग्रुप के अलावा भी टाटा टेक अपना कारोबार बढ़ाने पर फोकस कर रही है। वित्त वर्ष 2020 में इसका आंकड़ा 46 फीसदी था और वित्त वर्ष 2022 में 64 फीसदी था।वहीं अप्रैल-दिसंबर 2022 में कंपनी का राजस्व 3011.79 करोड़ रुपए था और इसका नेट प्रॉफिट 407.47 करोड़ रुपए रहा।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । धरेलू बाजार में सोने की कीमतों में शुक्रवार को तेजी आई जबकि चांदी में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में दस ग्राम सोना महंगा होकर 55,540 रुपये पहुंचा गया जबकि एक किलो चांदी अब 62,095 रुपये में मिल रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 395 रुपये की बढ़त के साथ ही 55,540 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 55,145 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत 115 रुपये की गिरावट के साथ 62,095 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 395 रुपये की तेजी के साथ 55,540 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। विदेशी बाजारों में सोना बढ़त के साथ 1,833 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी गिरावट के साथ 20.09 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी।

रत्न, आभूषण निर्यात फरवरी में 24 प्रतिशत बढ़कर 28 हजार 832 करोड़ रुपए रहा: जीजेईपीसी

मुंबई । चीन और मध्य पूर्व के बाजारों में मांग में सुधार से फरवरी 2023 में भारत का रत्न एवं आभूषण निर्यात 24 प्रतिशत बढ़कर 28,832.86 करोड़ रुपए रहा। जेजीईपीसी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जेजीईपीसी) ने बयान में कहा कि फरवरी 2022 के दौरान रत्न और आभूषण का कुल निर्यात 23,326.80 करोड़ रुपए रहा। फरवरी 2023 में कटे और पॉलिश किए गए हीरे (सीपीडी) का कुल निर्यात 32 प्रतिशत बढ़कर 19,582.38 करोड़ रुपए हो गया। यह आंकड़ा एक साल पहले की इसी अवधि में 14,841.90 करोड़ रुपए था। सोने के आभूषणों (सादे और जड़े हुए) का कुल निर्यात पिछले महीने 29.89 प्रतिशत बढ़कर 5,829.65 करोड़ रुपए रहा, जो फरवरी, 2022 में 4,488.30 करोड़ रुपए था। जीजेईपीसी के चेयरमैन विपुल शाह ने कहा कि देश ने पिछले महीने सीपीडी निर्यात में 32 प्रतिशत की वृद्धि देखी। यह आंशिक रूप से चीन में मजबूत मांग और चंद्र नववर्ष उत्सव से प्रेरित है। शाह ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद सादे सोने के आभूषणों के निर्यात में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इस दौरान मुख्य रूप से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले जड़े हुए सोने के आभूषणों में भी लगभग 20 प्रतिशत का सुधार हुआ।

दुनियाभर के अरबपतियों की सूची में अडानी की रैंकिंग बढ़ी

नई दिल्ली ।

अडानी समूह पर संकट के बादल छंटने लगे हैं। बीते दो हफ्तों से अडानी के शेयरों में तेजी लौट रही है। अडानी समूह के शेयर लगातार चढ़ रहे हैं। हालांकि गुरुवार को मामूली झटके भी लगे और 10 में से 3 शेयर लुढ़क गए। हालांकि सात शेयरों में तेजी देखने को मिली है। अडानी के शेयरों में तेजी का असर गौतम अडानी के नेटवर्थ पर देखने को मिल रहा है। अडानी की दौलत बीते दो हफ्तों में जबरदस्त तौर पर बढ़ी है। अडानी का समूह का मार्केट कैप बढ़ा है तो गौतम अडानी के नेटवर्थ भी उछला और दुनियाभर के अरबपतियों की लिस्ट में उनकी रैंकिंग भी बढ़ी है। दुनियाभर के अरबपतियों की संपत्ति में उठापटक जारी है। दुनिया के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क को गुरुवार को झटका लगा। फोर्ब्स बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक एक ही दिन में उनकी दौलत 5.9 अरब डॉलर तक गिर गई। एलन मस्क को ताबड़तोड़ झटके लगे। टेस्ला किंग एलन मस्क गुरुवार को सबसे ज्यादा दौलत गंवाने वाले बन गए। उनकी संपत्ति गिरकर 175 अरब डॉलर रह गई। इस गिरावट के साथ वो दुनिया के सबसे दौलतमंद उद्योगपति बनने की रेस में और पिछड़ गए हैं। वहीं गौतम अडानी के लिए गुरुवार का दिन खुशियां से भरा रहा है। गौतम अडानी के नेटवर्थ में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। फोर्ब्स बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक गौतम अडानी की संपति एक दिन में 133 करोड़ डॉलर बढ़ी। एक दिन में गौतम अडानी ने 10,92,49,99,050 रुपये कमा लिए। उनकी संपत्ति में 0.29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और उनका नेटवर्थ 46.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके साथ ही वो फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स में 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं। जबकि ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी का नेटवर्थ बढ़कर 55.4 अरब डॉलर पहुंच गया है। इस लिस्ट में वो फिलहाल 21वें नंबर पर हैं। यानी अरबपतियों की टॉप 10 लिस्ट में शामिल होने से वो बंद 11 पायदान नीचे हैं। वर्तमान में अमेरिका के उद्योगपति सर्गे ब्रिन 83 अरब डॉलर के साथ 10वें नंबर पर हैं। गुरुवार को कोटक महिंद्रा बैंक की ओर से खबर आई कि अडानी ग्रुप को दिया गया लोन बैंक के नों यमों के अनुरूप है। बैंक ने कहा कि कर्ज राशि भी

मामूली है। बैंक ने कहा कि हमने अडानी ग्रुप को हमने जो कर्ज दिया है वह कम है। वहीं अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पॉवर ने अपनी छह सब्सिडियरी कंपनियों का खुद में विलय कर लिया है। इस खबर के बाद अडानी पॉवर के शेयरों में तेजी लौटी है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने फरवरी के महीने में इन कंपनियों के एपीएल में विलय को मंजूरी दी थी। अडानी पॉवर ने अडानी पॉवर महाराष्ट्र लिमिटेड (एपीएमएल), अडानी पॉवर राजस्थान लिमिटेड (एपीआरएल), उडुपी पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल), रायपुर एनर्जेन लिमिटेड (आरईएल), रायगढ़ एनर्जी जनरेशन लिमिटेड (आरईजीएल) और अडानी पावर (मुंद्रा) लिमिटेड का खुद में विलय कर लिया है।

विदेशों में बढ़त के रुख के बावजूद तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट जारी

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में बढत के रुख के बावजूद दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में गुरुवार को खाद्य तेल कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान मूंगफली तेल तिलहन कीमतों को छोड़कर बाकी लगभग सभी प्रमुख तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में सुधार के रुख के बावजूद स्थानीय बाजार के पहले से आयातित खाद्य तेलों से पटे होने की वजह से देशी तेल तिलहन बाजार में खप नहीं रहे है।इस वजह से मूंगफली तेल तिलहन (पूर्वस्तर पर बंद) को छोड़कर सरसों, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पोमोलीन तथा बिनौला तेल सहित लगभग सभी तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,360-5,410 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली 6,825-6,885 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,700 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,560-2,825 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 11,140 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी 1,760-1,790 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी 1,720-1,845 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल

मिल डिलिवरी दिल्ली 11,800 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 11,450 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 11,110 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला 9,000 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,920 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,470 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स कांडला 9,520 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना 5,280-5,410 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 5,020-5,040 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

जियो मिमोसा नेटवर्क्स को 6 करोड़ डॉलर में खरीदेगी

नई दिल्ली । भारतीय दिग्गज समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के स्वामित्व वाले जियो प्लेटफार्म ने अपने 5जी और ब्रॉडबैंड सेवाओं को बढ़ाने के लिए कम्युनिकेशन उपकरण मेकर मिमोसा नेटवर्क्स को 6 करोड़ डॉलर में खरीदेगी। यह सौदा रेडिसिस कार्प जियो प्लेटफॉर्म्स की एक इकाई और एक अमेरिकी कंपनी के बीच हुआ है। बयान में कहा गया है कि मिमोसा के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में वाईफाई 5 और नई वाईफाई 6ई टेक्नोलॉजीज पर आधारित पॉइंट-टू-पॉइंट और पॉइंट-टू-मल्टी-पॉइंट उत्पादों का पोर्टफोलियो है। आरआईएल पिछले साल 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में 11 अरब डॉलर मूल्य की एयरवेव्स को बंद करने के बाद, भारत के प्रमुख दूरसंचार सर्विस प्रोवाइडर, जियो के माध्यम से देश भर में 5जी और ब्रॉडबैंड सेवाओं को बढ़ा रही है। बयान के अनुसार जियो की इकाई, रिलायंस जियो इंफोकाम यूएसए एयरस्पैन में एक शेयरधारक है और इसके बोर्ड में भी शामिल है। रिलायंस दूरसंचार क्षेत्रों में कई निवेश कर रही है और उसने भारत भर में नेक्स्ट जेनरेशन की वायरलेस सेवाओं का विस्तार करने के लिए पिछले साल नो किया को एक प्रमुख सप्लायर के रूप में चुना था। मिमोसा के साथ सौदा ऐसे समय में भी हुआ है जब भारत सहित कुछ अन्य देशों की सरकारों ने नैशनल नेटवर्क में चीन के हुआवेई के उपयोग पर या तो प्रतिबंध लगा दिया है या उसे आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया जा रहा है।

इराक भारतीय रिफाइनरों को तेल पर छूट देगी

मुंबई ।

भारत में लगभग एक तिहाई तेल का आयात रूस से हो रहा है। ऐसे में इराक ने भारत के तेल आयात में अपनी घटती हिस्सेदारी को थामने के लिए भारतीय रिफाइनरों को छूट देने की पेशकश की है। मामले से वाकिफ लोगों ने बताया कि इराक भारतीयों से खुली बात करना चाहता है कि कितनी छूट देने पर वे उससे पहले जितना तेल लेने लगेंगे। उद्योग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस समय भारत को सबसे अधिक तेल आपूर्ति करने वाला इराक भारत के रिफाइनरों से पूछना चाहता है कि वे कितनी छूट चाहते हैं। भारत रूस से कच्चे तेल का आयात लगातार बढ़ा रहा है, जिससे पश्चिम एशिया से तेल आयात की मात्रा घटी है। इससे इराक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से तेल की आवक प्रभावित हुई है। एक सरकारी तेल रिफाइनिंग कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसीलिए इराक ने भारतीय रिफाइनरों से कहा है कि वह कच्चे तेल की कीमत और कम करने को तैयार है। उसने तेल की आपूर्ति बेहतर करने के लिए बातचीत की इच्छा जताई है। उन्होंने बताया कि सरकार भी यह जानती है। अधिकारियों ने कहा कि इस मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत के आसार नहीं है मगर इराक का यह कदम अप्रत्याशित नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि जब पश्चिम के साथ रूस के संबंध लगातार बिगड़ रहे हैं और कच्चे तेल में भारी छूट दी ही जा रही तो इराक का सक्रिय होना स्वाभाविक है ताकि भारत के कच्चे तेल आयात में उसकी हिस्सेदारी और कम न हो जाए। पिछले साल जून में इराक ने रूसी तेल के मुकाबले 9 डॉलर प्रति बैरल की कम औसत कीमत पर कच्चे तेल की आपूर्ति कर रूस को पछाड़ दिया था। इसी कारण कीमत के प्रति बेहद संवेदनशील रहने वाले इस बाजार में इराक का बोलबाला हो गया था।यह

सिलसिला तब तक चलता गया, जब तक 5 दिसंबर, 2022 को जी7 देशों ने रूस के कच्चे तेल के लिए 60 डॉलर प्रति बैरल की न्यूनतम कीमत तय नहीं कर दी। इसके साथ ही यूरोपीय संघ के देशों ने समुद्र के रास्ते रूस से कच्चे तेल की आमद पर भी प्रतिबंध लगा दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहो कि अलग-थलग किए जाने पर रूस ने ज्यादा प्रतिस्पर्द्धी कीमत कर दी ताकि भारत और चीन जैसे देशों को कच्चे तेल की लगातार आपूर्ति की जाती रहे।

बैंकों का सकल एनपीए 2023-24 के आखिरी में हो सकता है कमः अध्ययन

नई दिल्ली ।

भारतीय बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियों या खराब ऋण में वित्तवर्ष 2022-23 में 0.90 प्रतिशत की कमी आने की संभावना है और इस दौरान यह घटकर पांच प्रतिशत से कम रह जाएगा। एसोचैम-क्रिसिल रेटिंग के अध्ययन में यह अनुमान जताया गया। अध्ययन में यह भी कहा गया कि बैंकों का सकल एनपीए 31 मार्च 2024 तक घटकर दशक के सबसे निचले स्तर चार प्रतिशत से भी कम हो सकता है। अध्ययन ने सकल गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) में गिरावट के लिए कोविड बाद के आर्थिक सुधारों और उच्च ऋण वृद्धि को जवाबदेह बताया है। इसमें कहा गया कि सबसे बड़ा सुधार कॉरपोरेट ऋण खंड में होगा, जहां सकल एनपीए 31 मार्च, 2018 को लगभग 16 प्रतिशत था और इसके अगले वित्त वर्ष में घटकर दो प्रतिशत तक होने की संभावना है। एसोचैम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि यह हाल के वर्षों में बैंकों द्वारा खातों को दुरुस्त करने के साथ ही मजबूत जोखिम प्रबंधन और अंडरराइटिंग को दर्शाता है, जिसके कारण बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल वाले उधारकर्ताओं को ऊंची वरीयता मिली है। उन्होंने कहा कि दोहरे बही-खाते की समस्या का काफी हद तक समाधान कर लिया गया है और ऐसे में ऋण वृद्धि में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा` कि लगातार वैश्विक चुनौतियों के बीच भी हमारा बैंकिंग क्षेत्र काफी मजबूत है। अध्ययन में कहा गया कि महामारी के दौरान सबसे अधिक पीड़ित रहने वाले एमएसएमई खंड में सकल एनपीए मार्च 2024 तक बढ़कर 10-11 प्रतिशत हो सकता है, जो 31 मार्च 2022 को लगभग 9.3 प्रतिशत था।

भगोड़ा नीरव मोदी के पास जुर्माना भरने तक के नहीं हैं पैसे

- जेल में कर्ज लेकर चला रहा खर्च

लंदन । भगोड़े पूर्व अरबपति हीरा कारोबारी नीरव मोदी को 150,247 पाउंड (करीब 1.47 करोड़ रुपए) का जुर्माना चुकाने के लिए पैसे उधार लेना पड़ रहा है। अदालत ने उसे अपने प्रत्यर्पण की अपील के लिए लागत का भुगतान करने का आदेश दिया था, जो अब तक बकाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नीरव (51) एचएमपी वैंड्सवर्थ से वीडियो लिंक के माध्यम से पूर्वी लंदन में बार्किंगसाइड मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुआ और इस तथ्य पर बिना वकील के अपना बचाव किया कि उसने अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील के लिए 150,247 की लागत का भुगतान नहीं किया था। वह यह केस कोर्ट में हार गया था। अदालत ने इस साल 9 जनवरी को आदेश दिया था कि नीरव मोदी को 28 दिनों के भीतर अपने प्रत्यर्पण अपील की लागत का भुगतान करना होगा, लेकिन अब तक उसने पैसे नहीं जमा किए हैं। उसने एक महीने में 9.7 लाख रुपए का भुगतान करने की पेशकश की थी, लेकिन जुर्माना टीम ने इसे अस्वीकार कर दिया था, यही वजह है कि उसे अदालत के सामने घसीटा गया। अदालत ने नीरव मोदी से उसका नाम, जन्मतिथि और पता पूछा गया और उसने भारत का पता बताया। अदालत ने तब उसका यूके का पता पूछा और उसने कहा कि उसके पास कोई पता नहीं है। यह पूछे जाने पर कि उसने जुर्माना राशि का भुगतान क्यों नहीं किया, नीरव ने कहा` कि मेरी सारी संपत्ति जब्त कर ली गई है और मैं अपनी कानूनी फीस भरने में असमर्थ हूं। अदालत ने उससे पूछा कि क्या वह जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में कुछ समय और जेल में रहने के लिए तैयार है? जिस पर उसने 'हां' में उत्तर दिया।

यह पूछे जाने पर कि उसे जुर्माना भरने के लिए प्रति माह 10,000 पाउंड कहां से मिलेंगे, जिसका उसने प्रपोजल दिया है? नीरव मोदी ने कहा` कि मैं पिछले दो वर्षों से उधार लेकर अपने खर्चे चला रहा हूं। मैं चार साल से जेल में हूं। पहले दो साल तक मेरे पास जो पैसे थे, उससे खर्च चला, उसके बाद से उधार लेना पड़ रहा है। मजिस्ट्रेट जानना चाहते थे कि वह जेल में क्यों है और उसने जवाब दिया, प्रत्यर्पण शुल्क' नहीं जमा कर पाने के कारण। पीठ के अध्यक्ष ने उससे पूछा कि अगर आरोप फर्जी थे तो वह अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए भारत क्यों नहीं लौटा? जिस पर नीरव ने जवाब दिया` कि मुझे भारत में निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी।

पेय ब्रांड कैंपा कोला फिर से बाजार में उतरा

नई दिल्ली ।

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने देश के 50 साल पुराने प्रतिष्ठित पेय ब्रांड कैंपा कोला को फिर से पेश करने की घोषणा की। आरसीपीएल अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी है और रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाती है। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में आरसीपीएल ने गुजरात स्थित कार्बोनेटेड शीतल पेय और जूस बनाने वाली कंपनी सोस्यो हजूरी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी। इससे पहले उसने प्योर ड्रिंक्स ग्रुप से कथित तौर पर 22 करोड़ रुपए में कैंपा ब्रांड का अधिग्रहण किया था। अब, आरसीपीएल ने कैंपा ब्रांड को फिर से पेश किया है। कंपनी ने कहा` कि शुरुआती दौर में शीतल पेय श्रेणी में तीन नये फ्लेवर कैम्पा कोला, कैंपा लेमन और कैंपा ऑरेंज को शामिल किया जाएगा। पहले यह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में उपलब्ध होगा। बाद में इसे चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में पेश किया जाएगा। कैम्पा-कोला 1970 और 1980 के दशक में एक लोकप्रिय शीतल पेय ब्रांड था, लेकिन कोका-कोला और पेप्सिको के आने के बाद ये पिछड़ता गया। बयान में कहा गया है कि आरसीपीएल ने इसे 'द ग्रेट इंडियन टेस्ट का नाम दिया है। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू ब्रांड कैंपा सीधे तौर पर दुनिया की दो सबसे बड़ी कंपनियों- पेप्सीको और कोका कोलो को टक्कर देगा। आरसीपीएल के प्रवक्ता ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि नई पीढ़ी के उपभोक्ता कैंपा के इस नए अवतार को अपनाएंगे और युवा उपभोक्ताओं को नया स्वाद पसंद आएगा। उन्होंने कहा` कि तेजी से विकसित हो रहे भारतीय बाजार में खपत अधिक होने के कारण कैंपा के लिए कहीं अधिक अवसर हैं।

ग्रीन ने लगाया टेस्ट करियर का पहला शतक

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन ने भारतीय टीम के खिलाफ यहां अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन 143 गेंदों पर शानदार शतक लगाया। यह ग्रीन के टेस्ट करियर का यह पहला शतक है। अब तक खेले 20 टेस्ट मैचों में ग्रीन के नाम 6 अर्धशतक है। पहले दिन का खेल जहां बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के नाम रहा था। वहीं दूसरे दिन ग्रीन छाये रहे। ख्वाजा ने पहले दिन शतक लगाया था। दूसरे दिन की शुरुआत में ख्वाजा और ग्रीन दोनों ने ही स्पिनर के खिलाफ संभलकर खेलते हुए पारी को आगे बढ़ाया। जैसे ही तेज गेंदबाजों को लगाया गया। ग्रीन ने आक्रामक शॉट खेलने शुरु कर दिये। ग्रीम को रोकने भारतीय गेंदबाजों ने भी शॉट गेंदबाजी करके दबाव बनाने का प्रयास किया पर उससे भी कोई लाभ नहीं हुआ। ग्रीन को शॉट गेंदें खेलने में कोई परेशानी नहीं हुई।

ख्वाजा ओर ग्रीन के शतकों से

ऑस्ट्रेलिया का विशाल स्कोर

भारत पहली पारी बिना किसी नुकसान के 36 रन

अहमदाबाद ।

उस्मान ख्वाजा के बाद कैमरुन ग्रीन की शतकीय पारी से मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 480 रनों का विशाल स्कोर बनाया। ख्वाज ने 180 जबकि ग्रीन ने 114 रन बनाये। पहले दिन जहां ख्वाजा ने शतक लगाया वहीं दूसरे दिन ग्रीन ने शतकीय पारी खेली। वहीं भारतीय टीम की ओर से अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने सबसे अधिक 6 विकेट लिए जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दो विकेट लिए। स्पिनर रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के अपनी पहली पारी में 36 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 17 और शुभमन गिल 18 रनों पर खेल रहे थे। वहीं इससे पहले आज सुबह चार विकेट पर 255 पर आये खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ख्वाजा ओर ग्रीन ने अच्छी बल्लेबाजी जारी रखी। तक ख्वाजा और ग्रीन 150 और 95 रन पर नाबाद थे। आस्ट्रेलिया ने इस सत्र में 29 ओवरों में 92 रन बनाये और पांचवें विकेट के लिए 177 रन जोड़े। भारतीय गेंदबाजों को लगातार दूसरे दिन विकेट के लिए संघर्ष करना पड़ा और वे पूरे सत्र में कोई विकेट हासिल नहीं कर पाए। इससे पहले, अश्विन ने चौथे टेस्ट के दूसरे दिन दोपहर के सत्र में तीन विकेट लिए। अश्विन ने सबसे पहले कैमरुन ग्रीन को आउट करके और पांचवें विकेट के लिए 208 रन की साझेदारी को तोड़ा, इसके बाद दो और तेज विकेट लिए।

लंच के बाद ग्रीन ने 144 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक जडेजा को शॉट लगाकर पूरा किया। भारत को आखिरकार 131वें ओवर में सफलता मिली, जब ग्रीन 170 गेंदों पर 114 रन बनाकर अश्विन की गेंद पर कीपर के हाथों कैच आउट हो गए। अश्विन को उसी ओवर में एक और सफलता मिली, जब उन्होंने एलेक्स केरी को अक्षर पटेल के हाथों कैच आउट कराया। मिशेल स्टार्क को भी 6 रन पर अश्विन ने पेवेलियन भेज दिया। ख्वाजा और लियोन ने ऑस्ट्रेलिया को 400 के पार पहुंचा दिया। ख्वाजा 180 के आउट होने के बाद नाथन लियोन और टॉड मार्फी ने 117 गेंदों में 70 रनों बनाये। इस साझेदारी को अश्विन ने मर्फी 41 को पेवेलियन भेजकर तोड़ा। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया का नौवां विकेट गिरा। इसके बाद, अगले ओवर में लियोन को 34 रन पर आउट कर अश्विन ने मेहमान टीम की पारी समेट दी।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शॉन मार्श ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शॉन मार्श ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इसी के साथ ही मार्श का 22 साल का लंबा करियर समाप्त हो गया। मार्श ने शेफील्ड शील्ड में साल 2000-2001 सत्र के दौरान अपने करियर की शुरुआत की थी। वह घरेलू शील्ड क्रिकेट में डब्ल्यूए टीम की ओर तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने डब्ल्यूए टीम की ओर से 20 शतक और 43 अर्धशतक सहित 8347 रन बनाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने खेल के तीनों प्रारूपों में ऑस्ट्रेलिया के लिए 126 मैच खेले हैं। साल 2008 से 2019 तक के अपने दस सला के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान उन्होंने 5,000 से अधिक रन बनाए और 13 शतक लगाए। उन्होंने इस दौरान 38 टेस्ट मैच में 34.31 की औसत से 2,265 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक भी शामिल हैं। वही 73 एकदिवसीय मैच खेलते हुए 40.77 की औसत से 2,773 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 15 अर्धशतक भी बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 151 रन रहा है।

वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट की बात करें तो मार्श ने 183 मैच में 41.20 की औसत से 12,032 रन बनाये हैं। इस खिलाड़ी ने 32 शतक और 58 अर्धशतक भी लगाये हैं। अपने पूरे करियर के दौरान मार्श ने दो बिग बैश लीग ट्राफियां भी जीतीं

इंडियन वेल्सः एंडी मरे की सत्र की एक और मैराथन जीत

इंडियन वेल्सः विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ब्रिटेन के एंडी मरे ने इंडियन वेल्स के ओपनिंग मुकाबले में अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एत्चेवेरी को तीन घंटे 12 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 6-7(5), 6-1, 6-4 से हरा दिया। तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता की गुरूवार को तीन घंटे 12 मिनट की जीत सत्र के कई मैराथन मैचों में से एक है। उन्होंने इस सत्र में 10 मैच खेले हैं जिसमें से 70 प्रतिशत का फैसला निर्णायक सेट में हुआ है। इस जीत से उनका 2023 में निर्णायक सेटों में 7-0 का रिकॉर्ड हो गया है। उनका ओवरआल रिकॉर्ड 7-3 का है। उनका अगला मुकाबला 15वीं सीड स्पेन के पाब्लो कॉरेनो बुस्ता से होगा। ब्रिटिश खिलाड़ी ने 20 ब्रेक अंक हासिल किये जिनमें से उन्होंने चार को बदला। उन्होंने पांच ब्रेक अंकों में से चार बचाये। मरे ने मैच में 28 विनर्स लगाए और छठे एस के साथ मैच समाप्त किया।

162 रनों पर ही न्यूजीलैंड की आधी टीम पेवेलियन लौटी

क्राइस्टचर्च ।

मेजबान न्यूजीलैंड ने यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 162 बनाये है और ऐसे में इस मैच पर श्रीलंकाई टीम का शिकंजा कसता जा रहा है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर डेरिल मिशेल 40 जबकि माइकल ब्रेसवेल नौ रन बनाकर खेल रहे थे। सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम 67 ने अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दी पर मध्यक्रम के विफल होने से टीम संकट में फंसती नजर आ रही है। इससे पहले श्रीलंकाई टीम ने अपनी पहली पारी में 355 रन बनाए थे और इस प्रकार मेजबान कीवी टीम अब भी 193 रनों से पीछे है। इस मैच में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने भी अपनी टीम को निराश नहीं किया।

न्यूजीलैंड की ओर से लैथम और डेवोन कॉनवे 30 ने पहले विकेट के लिए 67 रन बनाकर टी को अच्छी शुरुआत दी। असिता फर्नांडो ने कॉनवे को आउट कर अपनी टीम को पहला विकेट दिलाया। अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन केवल एक रन बनाने के बाद लाहिरू कुमारा का शिकार बने।

कुमारा ने इसके बाद हेनरी निकोल्स को भ 02 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। लैथम और मिशेल ने इसके बाद पारी को संभाला। लैथम ने मिशेल के साथ चौथे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। असिता ने लैथम को यॉर्कर पर बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। लैथम ने 144 गेंद की अपनी पारी में सात चौके लगाये। रजिता ने विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल 07 को आउट करके न्यूजीलैंड को पांचवां झटका दिया। इससे पहले कप्तान टिम साउथी और मैट हेनरी ने श्रीलंका को पहली पारी में 355 रन पर आउट कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूपीएलः ड्रीम11 ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ साझेदारी की घोषणा की

मुंबई। फेंटसी स्पोर्टस मंच ड्रीम 11 ने चल रही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2023 के लिए मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के साथ अपनी साझेदारी की शुक्रवार को घोषणा की। साझेदारी की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए, मुंबई इंडियंस और भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टीम के साथियों, क्रिकेटरों हीथर ग्राहम और यास्तिका भाटिया के साथ, मुंबई में ड्रीम स्पोर्ट्स मुख्यालय का दौरा किया। मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने कहा, हम ड्रीम11 के साथ साझेदारी करके खुश हैं। हम मानते हैं कि यह जुड़ाव भारत में महिला क्रिकेट के लिए दर्शकों की संख्या और संरक्षण को मजबूत करेगा। हम इस साझेदारी के माध्यम से प्रशंसकों के लिए नए अनुभव और इस सहयोग के माध्यम से ड्रीम11 को मूल्य प्रदान करने की उम्मीद करते हैं। कंपनी ने डब्ल्यूपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ भी पार्टनरशिप की है। 2020 में, ड्रीम 11 अब बंद हो चुके जियो महिला टी20 चैलेंज का आधिकारिक भागीदार था और 2021 से डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाली भारत की बल्लेबाज जेमिमाह रोड्रिग्स के साथ भी जुड़ा हुआ है।

यूरोपा लीगः सेविला ने फेनरबाश को 2-0 से हराया

एंजेसी। सेविला गुरुवार को राउंड आफ 16 के पहले चरण के बाद यूरोपा लीग के क्वार्टर फाइनल में स्पेन की एकमात्र टीम हो सकती है। ला लीगा टीम ने तुर्की के फेनरबाश पर 2-0 की घरेलू जीत के साथ दबाव में चल रहे कोच जॉर्ज सम्पाओली के हौसले को बढ़ावा दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, जोआन जॉर्डन के एक शानदार शॉट की बदौलत 56वें मिनट में एक गोल ने सेविला का रास्ता बदल दिया, जो मैच में दूसरे हाफ में विकल्प के रूप में आए थे। एरिक लामेला ने समय से पांच मिनट पहले बाएं पैर के अच्छे शॉट से सेविला की बढ़त को दोगुना कर दिया। टूर्नामेंट में स्पेन के अन्य दो टीमों के लिए चीजें सकारात्मक नहीं थीं क्योंकि रियाल बेटिस और रियाल सोसिएदाद दोनों हार गए।

एएफसी अंडर-20 महिला एशिया कप क्वालीफायर॰ भारत का मुकाबला वियतनाम से

वियतनाम ट्राई सिटी (वियतनाम)

अगले दौर के टिकट के लिए वर्चुअल फाइनल में शनिवार को वियतनाम ट्राई स्टेडियम में एशियन कप क्वालिफायर राउंड 1 मैच में भारतीय महिला अंडर-20 टीम एएफसी अंडर-20 महिला ग्रुप एफ के अपने आखिरी मैच में वियतनाम से भिड़ेगी।भारत और वियतनाम दोनों के इंडोनेशिया और सिंगापुर के खिलाफ अपने पहले दो मैचों में दो जीत के साथ छह अंक हैं। 14 प्लस (3-0 बनाम इंडोनेशिया और 11-0 बनाम सिंगापुर) के बेहतर गोल अंतर के कारण मेजबान तालिका में शीर्ष पर हैं। भारत का गोल अंतर 13 प्लस (7-0 बनाम सिंगापुर और 6-0 बनाम इंडोनेशिया) है। यह वियतनाम को एक फायदा देता है, क्योंकि शनिवार को ड्रॉ उनके लिए ग्रुप विजेता के रूप में क्वालीफाई करने के लिए पर्याप्त होगा, जबकि भारत के लिए केवल जीत ही काफी होगी।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग बोलीं, हमें जल्द ही बाउंस बैक करने की जरूरत

मुंबई,

मुंबई इंडियंस के खिलाफ आठ विकेट से हारने के बाद दिल्ली कैपिटल्स को चल रही महिला प्रीमियर लीग 2023 में पहली हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग को लगता है कि टूर्नामेंट में उनकी टीम को बाउंस बैक करने की जरूरत है। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स की टीम 105 रन पर आलआउट हो गई, लेकिन मुंबई इंडियंस ने 15 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।लैनिंग ने कहा, हम अपनी बल्लेबाजी करते हुए एक समय पर अच्छी स्थिति में थे। लेकिन हमने महत्वपूर्ण समय पर विकेट खो दिए। हमें अपने गेंदबाजों के बचाव के लिए पर्याप्त रन नहीं मिले। लेकिन मैच इसी तरह चलता है। आप कुछ जीतते हैं और आप कुछ हार जाते हैं। हमें जल्दी से बाउंस बैक करने की जरूरत है।आस्ट्रेलियाई दिग्गज ने यह भी बताया कि दिल्ली कैपिटल्स जल्दी से पिच के अनुकूल नहीं हुईं। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस के खिलाफ हमारे मैच के दौरान विकेट थोड़ा अलग था। मुझे लगा कि उस विकेट पर 150 रन एक अच्छा स्कोर होगा। पिच पहले की तुलना में अधिक गेंदबाजों के अनुकूल थी और हम विकेट से उतनी जल्दी तालमेल नहीं बिठा पाए जितना हम चाहते थे।

पीएसपीबी शतरंज में प्रज्ञानन्दा हारे

पुणे । यहां जारी 32वीं इंटर यूनिट पीएसपीबी रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप में शीर्ष खिलाड़ी आर प्रज्ञानन्दा को हार का सामना करना पड़ा है। ओएनजीसी बी टीम के 19 साल के राहुल वी एस ने तीसरे दौर में आईओसी ए के शीर्ष स्तर के खिलाड़ी प्रज्ञानन्दा को हराकर सभी को हैरान कर दिया। राहुल की टीम हालांकि हार गयी पर प्रज्ञानन्दा जैसे खिलाड़ी पर मिली जीत से उनका मनोबल बढ़ा है। 32वीं इंटर यूनिट पीएसपीबी रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप 2023 एक नॉन-रेटेड इवेंट है। इसमें देश के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेते हैं। इसमें चौथे दौर के बाद सभी मैच जीतकर ओएनजीसी की टीम नंबर एक पर बनी हुई है।

बांग्लादेश ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

चटगांव ।

बांग्लादेश के दौरें पर गयी इंग्लैंड को यहां पहले ही टी20 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश ने नजमुल हुसैन शंटो और कप्तान शाकिब अल हसन के अच्छे प्रदर्शन की बदौलत तीन मैचों की सीरीज के पहले टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को 18 ओवरों में ही छह विकेट से हरा दिया। यह इंग्लैंड की बांग्लादेश के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पहली हार है। अभी तक दोनों टीमों के बीच दो मुकाबले ही हुए हैं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 156 रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने दो जबकि शाकिब ने एक विकेट लिया। इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 157 रन का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से दो ओवर पहले ही हासिल कर लिया। मेजबान टीम की ओर से नजमुल हसन ने 30 गेंदों पर आठ चौके की सहायता से 51 रन बनाये। वहीं शाकिब ने शाकिब ने आठ चौकों की सहायता से नाबाद 34 रनों की पारी खेली। ताहिद हृदय ने 24 और रोनी तालुकदार ने 21 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, आदिल रशीद और मोईन अली ने एक-एक विकेट लिया। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेहमान टीम छह विकेट पर 156 रन ही बना पायी। इंग्लैंड के बल्लेबाज इस मैच में मेजबान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं नाये। कप्तान जोस बटलर सहित तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। बटलर ने 42 गेंदों पर 67 रन बनाए जबकि सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने 38 और बेन डकेट ने 20 रन बनाये। अच्छी शुरुआत के बाद भी मध्य क्रम के नाकाम रहने के कारण इंग्लैंड टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। अंतिम 4 ओवरों में उसके बल्लेबाज केवल 21 रन ही बना पाये।

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस ब्रिटेन की इमा राडुकाने खेलती हुई।

केन्द्रीय मंत्री ने अहमदाबाद को दी 154 करोड़ की भेंट, विकास कार्यों का किया ई लोकार्पण

डबल इंजन की सरकार का संकल्प-गुजरात में कोई भी व्यक्ति ना रहे बेघर : अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में शनिवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) और अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (औडा) की ओर से 154 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का ई-लोकार्पण किया। केंद्रीय मंत्री और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अमित शाह ने ई-लोकार्पण समारोह में वर्चुअल तरीके से शिरकत करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती तथा सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर राष्ट्र गौरव के प्रति उनके योगदान को नमन किया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के कुशल नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार का यह संकल्प है कि गुजरात में कोई भी व्यक्ति बेघर ना रहे और इस संकल्प को पूरा करने के लिए तेज गति से काम चल रहा है। आज साणंद के आसपास औद्योगिक विकास हो रहा है, इसलिए सनाथल ओवरब्रिज से बहुत से लोगों को लाभ होगा। उन्होंने सनाथल ब्रिज की बरसों पुरानी मांग के पूरा होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज शेला गांव में बढ़ती आबादी को ध्यान में रखकर ड्रेनेज पम्पिंग स्टेशन का निर्माण किया गया है, इससे गांव के लोगों को फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि स्मार्ट स्कूल बच्चों में सुषुप्त क्षमता और प्रतिभा को उजागर करने का मंच है। स्मार्ट स्कूल से बच्चों की शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने महानगर पालिका और म्युनिसिपल स्कूल बोर्ड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज अहमदाबाद में स्थित 459 म्युनिसिपल स्कूलों में 1,70,000 बच्चों के भविष्य का निर्माण हो रहा है। आज गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के 96 स्कूलों में से 28 स्कूल स्मार्ट बन गए हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आश्वस्त किया कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र की विकास यात्रा अविरत जारी रहेगी।

इन विकास प्रकल्पों के ई-लोकार्पण के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता और हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने गुजरात में अदने, वंचित, गरीब और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति सहित सभी को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के ध्येय के साथ मोदी द्वारा विकसित की गई विकास की राजनीति गुजरात के विकास की नींव में निहित है। गुजरात के विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि पीएम मोदी प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में आज गुजरात सुशासन के माध्यम से देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। गुजरात ने गत दो दशकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवाओं, कृषि और ग्रामीण विकास सहित प्रत्येक क्षेत्र में प्राथमिकता तय कर और नीति का निर्माण कर परफॉर्मेंस के जरिए विकास के नए मानदंड स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि हमें एडवांसमेंट, एनहांसमेंट और डेवलपमेंट से विकास की वैश्विक रफ्तार की दिशा में जाना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के विकास के संबंध में विभिन्न योजनाओं और बजट आवंटन को लेकर कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। इसके लिए उन्होंने इस वर्ष के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण को ड्राइविंग फोर्स के रूप में विशेष महत्व दिया है। गुजरात राज्य ने भी इस वर्ष राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा 3 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। इसके अंतर्गत आगामी पांच वर्ष में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में 5 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के विकास के संबंध में बोलते हुए कहा कि विकास के पांच स्तंभों में से पहला स्तंभ गरीब और जरूरतमंद लोगों को मूलभूत सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। श्री नरेन्द्र मोदी और अमितभाई ने 'जो कहना, वह करना' का ध्येय मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गांधीनगर संसदीय क्षेत्र को देश का श्रेष्ठ और हरा-भरा संसदीय क्षेत्र बनाने के लिए बुनियादी सुविधाओं और ढांचागत विकास को बहुत तेजी से पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और स्मार्ट लर्निंग टेक्नोलॉजी पर ध्यान केंद्रित करने में अनुपम स्मार्ट स्कूल अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 'स्मार्ट स्कूल, स्मार्ट लर्निंग, स्मार्ट किड और स्मार्ट फ्यूचर' की रणनीति के साथ स्मार्ट स्कूल खोले गए हैं। आज सरकारी स्कूलों में उपलब्ध स्मार्ट और हाईटेक शैक्षिक सुविधाओं के चलते निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने का रिवर्स ट्रेंड शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में कुल 28 स्कूलों को स्मार्ट स्कूल बनाया गया है। आज पांच और स्कूलों का ई-लोकार्पण हुआ है, तब इस लोकसभा क्षेत्र के करीब 13,000 बच्चों को इन स्मार्ट स्कूलों का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में ई-लोकार्पित किए गए कुल आठ विभिन्न विकास कार्य इस क्षेत्र में जनता की सुख-सुविधा में कई गुना वृद्धि करेंगे। आज गुजरात सड़कों और पुलों सहित मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट की बेस्ट फैसिलिटी वाला राज्य बना है।

विधानसभा में महाभारत जैसी स्थिति, सभी हमारे लोग हैं किसके खिलाफ लड़े हम : कांग्रेस

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के 11वें दिन कांग्रेस को महाभारत की याद आ गई। कांग्रेस विधायक ने कहा कि मौजूदा विधानसभा में महाभारत जैसी स्थिति हैं, जिसमें सत्तापक्ष में बैठे कई लोग हमारे हैं। आखिर किसके खिलाफ लड़े हम। लेकिन लड़ना भी जरूरी है क्योंकि यह धर्म की लड़ाई है। गुजरात विधानसभा में विनियोग विधेयक बहुमत से पास होने के बाद दोपहर को प्रश्नकाल शुरू हुआ। प्रश्नकाल में लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों के मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक सीजे चावडा ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मौजूदा विधानसभा में महाभारत जैसी स्थिति है। विधानसभा में महाभारत की तरह किसके खिलाफ लड़ना? क्योंकि सत्ताप में राघवजी पटेल, कुंवरजी बावलिया, सीके राउलजी, अल्पेश ठाकोर और हार्दिक समेत कई कांग्रेस नेता बैठे हैं। हांलाकि यह धर्म की लड़ाई है और लड़नी भी पड़ेगी। सदन में बैठे सभी लोग मेरे हैं ऐसे में मुझे किसके खिलाफ लड़ना? कांग्रेस विधायक ने कहा कि सरकार बेच बेच कर बजट में खर्च करेगी, ऐसे में हमारे लिए क्या छोड़ेगी? कांग्रेस सरकार में 500 करोड़ में बजट के काम हुए थे। नदियों पर डेम बने और किसानों के खेतों तक पानी पुहंचाया। लेकिन भाजपा सरकार 27 वर्ष के शासन में एक भी डेम नहीं बना पाई। अगर भाजपा सरकार ने एक भी डेम बनाया है तो मैं कांग्रेस से इस्तीफा दे दूंगा। भाजपा सरकार ने नए जिले जरूर बनाए परंतु नई डेरी नहीं बना पाई। केवल बनी बनाई डेयरी को हड़पना ही भाजपा की कार्यशैली है।

नवीन डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ भारत एडटेक की पहल गुजरात में 54,000 छात्रों को कभी भी, कहीं भी सीखने में सक्षम बनाती है

अहमदाबाद। 13 साल का जीतू और उसके सहपाठी अक्सर अपने स्कूल जल्दी पहुंच जाते हैं। वे फोन पर एक साथ बैठते हैं और एक बच्चा दिन के लिए क्विज मास्टर बनने का बीड़ा उठाता है। क्विज़िंग के लिए जीतुश का जुनून भारत एडटेक इनिशिएटिव (बीईआई) द्वारा समर्थित एक एडटेक ऐप के संपर्क में आने से उपजा है।

बहु-हितधारक सहयोग बीईआई ने अकेले गुजरात में लगभग 54,000 छात्रों को एडटेक ऐप्स पर जोड़ा है।

2021 के बाद से, दस भागीदार राज्यों के 1,88,982 से अधिक बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा से परिचित कराया गया है।इनमें से लगभग 70 प्रतिशत छात्र ग्रामीण क्षेत्रों से हैं और इनमें से 46 प्रतिशत लड़कियां हैं।

शैक्षिक क्विज़ और वीडियो से लेकर समाचार और शब्दकोश तक, बीईआई ने एडटेक ऐप्स के साथ साझेदारी की है ताकि छात्रों को अपनी सुविधानुसार, कभी भी, कहीं भी सीखने में मदद मिल सके।

नवसारी के छात्र बीईआई पार्टनर कॉन्वेजीनियस एडटेक प्लेटफॉर्म स्विफ्टचैट पर सीख रहे हैं।छात्रों की जरूरतों की पहचान करके और ऐप पर छात्रों को सक्षम करने के लिए कन्वेजेनियस के साथ ग्राउंड पार्टनर्स पर कस्टमाइज्ड एंगेजमेंट मॉडल बीईआई को तैनात करना।आज ऐप नवसारी में 90 प्रतिशत और उससे अधिक के साप्ताहिक उपयोग को रिकॉर्ड करता है।

सत्व कंसल्टिंग के संस्थापक और मैनेजिंग पार्टनर और बीईआई के मैनेजिंग पार्टनर रतीश बालकृष्णन का कहना है कि एडटेक अपनाने और स्केलेबिलिटी में सुधार के अपने प्रयास में, हमें सिस्टम में होने वाले बदलावों के संयोजन का पता लगाना और समझना चाहिए।निरंतर नवाचार और प्रासंगिक समाधानों के लिए डिजिटल का लाभ उठाने के तरीके छात्र सीखने को बढ़ा सकते हैं।

बीईआई मंच पर छात्रों की व्यस्तता बढ़ाने के लिए छात्रों के माता-पिता और शिक्षकों के प्राथमिक प्रभावकों के साथ काम करता है।माता-पिता से मिलने से लेकर ऐप पर पढ़ाई के फायदों के बारे में समझाने से लेकर छात्रों के सामने आने वाली तकनीकी समस्याओं को हल करने तक, हम यह सब करते हैं, "नवसारी की ग्राउंड वॉलंटियर हीना बीईआई कहती हैं।हमारा लक्ष्य पहली पीढ़ी के डिजिटल शिक्षार्थियों के लिए सही समाधानों की पहचान करके एडटेक के उपयोग को सुगम बनाना है।

इस राष्ट्रव्यापी पहल का प्रबंधन चार संगठनों द्वारा किया जाता है जो पहल के समग्र प्रबंधन और कार्यान्वयन पर रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सत्व कंसल्टिंग सहयोग के रणनीतिक डिजाइन और प्रबंधन का नेतृत्व करती है और माइकल एंड सुसान डेल फाउंडेशन एंकर फंडर है। ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट आउटकम फाइनेंस पार्टनर है और गिवइंडिया फंडरेजिंग और फंड मैनेजमेंट का नेतृत्व करता है। बीईआई विभिन्न उद्योगों में भागीदारों के साथ काम कर रहा है। वित्त और विश्लेषण घाटे को दूर करने और प्रभावी एडटेक समाधान प्रदान करने में हमारी सहायता करते हैं।

अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद बंद करने का मुद्दा पहुंचा विधानसभा, कांग्रेस ने किया विरोध

अहमदाबाद । उत्तरी गुजरात स्थित शक्तिपीठ अंबाजी में मोहनथाल (बेशन की बर्फी) का प्रसाद बंद करने के फैसले का लगातार विरोध जारी है। प्रसाद का मुद्दा अब गुजरात विधानसभा में पहुंच गया है और इसे लेकर कांग्रेस ने अपना विरोध दर्शाया। कांग्रेस विधायकों ने प्ले कार्ड के साथ विधानसभा में सरकार पर निशाना साधा और हिन्दुत्व के मुद्दे पर आरोप लगाए। विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर वह लोगों की आस्था के साथ खिलवाड कर रही है। कांग्रेस विधायक अमित चावड़ा ने कहा कि अभी अंबाजी में प्रसाद बदला गया है, कल सोमनाथ में बदला जाएगा। कुछ समय बाद द्वारका में और उसके बाद बहुचराजी में प्रसाद बदला जाएगा। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर चर्चा करने से भी हमें रोका गया। बता दें कि बनासकांठा जिला स्थित अंबाजी मंदिर में एक सप्ताह से मोहनथाल का प्रसाद बंद किए जाने से श्रद्धालुओं में जबर्दस्त आक्रोश है। आज अंबाजी मंदिर में देवी माता को मोहनथाल का भोग लगाने के बाद 21 ब्राह्मण मोहनथाल का प्रसाद लेकर पालनपुर कलेक्ट्रेट पहुंचे। जहां डिप्टी कलेक्टर को मोहनथाल का प्रसाद दिया और अंबाजी में पुन= मोहनथाल का प्रसाद शुरू करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो वह आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। दरअसल अंबाजी मंदिर में 3 मार्च से मोहनथाल का प्रसाद बंद कर श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप चिक्की दी जाती है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि मोहनथाल का प्रसाद लंबे समय तक रखा नहीं जा सकता, जबकि प्रसाद स्वरूप चिक्की को तीन महीने तक सहज कर रखा जा सकता है। इसीलिए मोहनथाल के बजाए चिक्की प्रसाद स्वरूप देने का फैसला किया गया है। मंदिर प्रबंधन के इस फैसले से अंबाजी आनेवाले श्रद्धालुओं में जबर्दस्त आक्रोश है और मांग कर रहे हैं कि प्रसाद स्वरूप मोहनथाल की शुरुआत की जाए। मोहनथाल का प्रसाद अंबाजी की विशेष पहचान है, जो करीब 500 सालों से चली आ रही परंपरा है। लेकिन मंदिर प्रबंधन की और से मोहनथाल का प्रसाद वितरित नहीं किए जाने के कारण बीते दिन से ब्रह्मसमाज प्रति दिन 200 किलो मोहनथाल प्रसाद स्वरूप अंबाजी आनेवाले श्रद्धालुओं में वितरित कर रहा है।

जीएसआरटीसी बस के ड्राइवर-कंडक्टर की ईमानदारी, लाखों के गहनों से भरी यात्री को लौटाई

आणंद। गुजरात राज्य परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) बस के ड्राइवर-कंडक्टर ने ईमानदारी की वह मिशाल पेश की है कि आप भी तारीफ करने से रह नहीं पाएंगे। जीएसआरटीसी की बस में एक यात्री लाखों रुपए के गहनों से भरी बैग भूल गया था। बैग बस के ड्राइवर और कंडक्टर को मिली और उन्होंने यात्री गहनों से भरी बैग लौटा दी। घटना गुरुवार की है जब बस आणंद जिले के पेटलाद से पंचमहल जिले के गोधरा जा रही थी। कई यात्री होते हैं जो यात्रा के दौरान अपनी कीमती चीज-वस्तुएं भूल जाते हैं। कई लोगों को अपनी चीज-वस्तुएं वापस मिल जाती हैं तो कई नाम मिलने पर मन मसोस कर रह जाते हैं। ऐसी ही एक घटना पेटलाद से गोधरा जानेवाली बस में हुआ। बस में सवार एक यात्री के पास लाखों रुपए कीमत के गहनों से भरी बैग थी। अपने गंतव्य पर पहुंचकर यात्री बस उतर गया, लेकिन अपनी बैग बस में ही भूल गया। बस रवाना होने के बाद यात्री को अपनी बैग याद आई और उसने तुरंत कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। जिसके बाद गोधरा कंट्रोल डिपो ने बस के ड्राइवर और कंडक्टर को बैग के बारे में जानकारी दी। ड्राइवर और कंडक्टर बस में जांच की गहनों से भरी बैग मिल गई और उन्होंने पेटलाद कंट्रोल रूम को इसकी सूचना भी दे दी। कंट्रोल रूम ने यात्री को फोन किया है और शुक्रवार को अपनी बैग ले जाने को कहा। यात्री आज पेटलाद डिपो पर पहुंचा जहां गहनों से भरी अपनी बैग पाकर इतना खुश हो गया कि बस के ड्राइवर और कंडक्टर की दिल खोलकर तारीफ की।

सूरत में जीएम के एक्सक्लूसिव लग्जरी शोरूम का शुभारंभ

सूरत। उधना मगदल्ला रोड सिटी में नवजीवन सर्कल के पास अम्बिका इंडस्ट्रियल सोसाइटी प्लॉट नंबर. 29-32 में नीलकांत हाउस में जीएम ने गुजरात में अपना पहला विशेष लक्ज़री शोरूम लॉन्च किया है। जीएम शो रूम का उद्घाटन पद्मश्री सावजीभाई ढोलिकिया ने किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इसके अलावा इस मौके पर जीएम शो रूम ऑन व्हील वैन आकर्षण का केंद्र बनी रही। कुमारपाल बांदा (निदेशक, जीएम मॉड्यूलर प्राइवेट लिमिटेड) जिन्होंने कहा कि जीएम ने ऑन-व्हील उत्पाद प्रदर्शन के लिए एक वैन रखी है। जिसमें आर्किटेक्ट, ठेकेदार, इलेक्ट्रीशियन वैन में आकर उत्पाद का अनुभव ले सकते हैं। जहां शोरूम नहीं पहुंच सकते, जीएम उत्पादों को ऑन-व्हील वैन में देखा और अनुभव किया जा सकता है। भारत में पहली बार जीएम ने उत्पाद बेचने के लिए इस तरह की वैन बनाई है। इस वैन में जीएम के उत्पाद स्वचालन का अनुभव किया जा सकता है। यहां स्विच, लाइट, एलईडी, पंखे की एक विशाल आधुनिक रेंज पाई जा सकती है। उद्घाटन के मौके पर मुख्य अतिथि पद्मश्री सावजीभाई ढोलकिया ने शो रूम की शोभा बढ़ाई।

वैन के बारे में ललित जैन (कॉरपोरेट प्लानिंग एंड स्ट्रेटेजी डायरेक्टर) ने कहा कि यह वैन चलता-फिरता शोरूम है। दिलीप छाबड़िया ने इस वैन को डिजाइन किया है। भारत का पहला फाइव स्टार आलीशान शो रूम। जिसमें इंजीनियर कंसल्टेंट बिल्डर सभी जीएम उत्पादों को देख, समझ और उपयोग कर सकते हैं। हम इस प्रकार की बहुउद्देशीय वैन बनाने की योजना बना रहे हैं।

मुख्य अतिथि सावजीभाई ने इस अवसर पर शुभकामनाओं के साथ संदेश दिया कि सूरत में मैं दस वर्षों से जीएम का प्रयोग कर रहा हूं। वह स्विच पुराना है, अब मैं उसे बदल दूंगा। जीएम के सूरत में शोरूम करने का मतलब सूरत में विकास है। सूरत में नए शोरूम से लोगों को तकनीक के साथ-साथ आधुनिक सुरक्षित उपकरण भी मिलेंगे। बाजार से सस्ती कीमत पर उत्पाद दें, आप सिर्फ एक स्विच या लाइट नहीं बेच रहे हैं, बल्कि सुरक्षा, भावना, स्वास्थ्य, संपत्ति बेच रहे हैं। कृपया जीएम उत्पाद के अनुसार बिक्री सेवा प्रदान करें ताकि मुझे कोई शिकायत न हो।

पश्चिम रेलवे चलायेगी विभिन्न गंतव्यों के लिए स्पेशल ट्रेनें

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा इस त्योहारी सीजन के दौरान उनकी मांग को पूरा करने के लिए वलसाड-बीकानेर, राजकोट-लालकुआं तथा अहमदाबाद से गुवाहाटी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेनें परिचालित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है-

ट्रेन संख्या 04716/04715 वलसाड-बीकानेर सुपरफास्ट स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 04716 वलसाड-बीकानेर सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 13 मार्च, 2023 को वलसाड से 06.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 03.25 बजे बीकानेर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04715 बीकानेर-वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 12 मार्च, 2023 को बीकानेर से 05.40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 04.00 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, रतलाम जं., नागदा जं., कोटा जं., सवाई माधोपुर, दुर्गापुरा, जयपुर, फुलेरा, नावा सिटी, कुचमन सिटी, मकराना जं., डेगाना जं., मेड़ता रोड, नागौर और नोखा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 05046/05045 राजकोट-लालकुआं स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 05046 राजकोट-लालकुआं स्पेशल सोमवार, 13 मार्च, 2023 को राजकोट से 22.30 बजे प्रस्थान कर बुधवार को 04.05 बजे लालकुआं पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 05045 लालकुआं-राजकोट स्पेशल रविवार, 12 मार्च, 2023 को लालकुआं से 13.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 18.35 बजे राजकोट पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वांकानेर जं., सुरेंद्रनगर, महेसाना जं., पाटन, भीलडी जं., धनेरा, रानीवारा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरन, मोकलसर, समदड़ी, लूनी, जोधपुर जं., मेड़ता रोड जं., डेगाना जं., मकराना जं., कुचमन सिटी, नवा सिटी, फुलेरा, जयपुर जं., दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, अछनेरा जं., मथुरा जं., मथुरा कैंट, हाथरस सिटी, कासगंज, सोरों, बदायूं, बरेली जं., बरेली सिटी, इज्जतनगर, भोजीपुरा, बहेरी और किच्छा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09467 अहमदाबाद-गुवाहाटी स्पेशल [1 फेरा]

ट्रेन संख्या 09467 अहमदाबाद-गुवाहाटी स्पेशल रविवार, 12 मार्च, 2023 को अहमदाबाद से 16.35 बजे प्रस्थान कर मंगलवार को 23.00 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। यह ट्रेन नडियाद जं., छायापुरी, रतलाम, भवानी मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना जं., आगरा फोर्ट, टूंडला जं., कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, अयोध्या कैंट, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, पटना, न्यू बरौनी जं., खगड़िया जं., नौगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यू कूच बिहार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू बोंगाईगांव और रंगिया जं. स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में शयनयान डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 04716, 05046 एवं 09467 की बुकिंग 10 मार्च, 2023 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनों के रूप में चलेंगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)